हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 03 अंक - 83 बेमेतरा, रविवार 08 नवम्बर 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 1 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

आज मनाई जाएगी दिवाली, जानें लक्ष्मी पूजा का शुभ मुहूर्त, पूजा विधि और महत्व



नई दिल्ली। धनतेरस के साथ दीपोत्सव की शुरुआत हो चुकी है। आज, 7 नवंबर को छोटी दिवाली यानी नरक चतुर्दशी मनाई जा रही है, जबकि रोशनी और खुशियों का महापर्व दीपावली कल, 8 नवंबर 2026 (रविवार) को मनाया जाएगा। दिवाली हिंदू धर्म के सबसे प्रमुख त्योहारों में से एक है। इस दिन घरों को दीपों और रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया जाता है। शाम को प्रदोष काल में मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा की जाती है। मान्यता है कि दिवाली पर विधि-विधान से लक्ष्मी पूजन करने से घर में सुख-समृद्धि, धन और खुशहाली आती है। आइए जानते हैं दिवाली 2026 की सही तारीख, लक्ष्मी पूजा का शुभ मुहूर्त, अमावस्या तिथि, पूजा का महत्व और इससे जुड़ी पौराणिक मान्यताएं। दिवाली की शाम मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा का विशेष महत्व होता है। मान्यता है कि इस दिन विधि-विधान और श्रद्धा से पूजा करने पर घर में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहती है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद चुनाव में भारत के लिए शांति स्थापना को प्राथमिकता बनाना

नई दिल्ली। भारत ने कहा है कि सुरक्षा परिषद में चुनाव लड़ने के दौरान शांति स्थापना (पीसकीपिंग) को मजबूत करना उसकी प्राथमिकता है। इसके साथ ही, भारत ने शांति अभियानों को सुदृढ़ करने और शांति सैनिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता जताई है। भारत के मिशन में सैन्य सलाहकार कर्नल तरुणेंद्र प्रताप सिंह ने गुरुवार को कहा, हम शांति स्थापना (पीसकीपिंग) को इस संस्था के मुख्य उद्देश्य के लिए अपरिहार्य मानते हैं।

अवकाश

दीपावली के पावन पर्व पर हमारे कार्यालय में 8,9 और 10 नवम्बर दिन रविवार , सोमवार और मंगलवार को अवकाश रहेगा । अगला अंक 12 नवम्बर दिन गुरुवार को आपके सामने होंगे।

प्रबंधक

शुभकामनाएं...

दीपों के पावन पर्व दीपावली के शुभ अवसर पर समस्त सम्मानित संवाददाताओं, विज्ञापनदाताओं एवं प्रिय पाठकों को हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं। मां लक्ष्मी एवं भगवान श्री गणेश की कृपा से आप सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं खुशहाली का प्रकाश सदैव बना रहे। दीपावली का यह पावन पर्व आपके जीवन में नई उमंग, नई ऊर्जा और अपार खुशियां लेकर आए। आप सभी का स्नेह, सहयोग एवं विश्वास सदैव बना रहे। आप सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं ।

संपादक

पीएम मोदी ने देशवासियों को दिवाली की बधाई दी

पीएम मोदी बोले-इस साल भी जवानों के साथ त्योहार मनाऊंगा

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया साइट पर नया वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में उन्होंने देश वासियों को दीपावली की शुभकामनाएं दी। उन्होंने जोर देकर कहा कि दीपावली के पर्व पर पूरा देश रोशनी से जगमगा रहा है। उन्होंने देश वासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह हर वर्ष की तरह की तरफइस वर्ष भी अपनी दीपावली सैनिकों के बीच में मनाएंगे। सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट किए एक वीडियो में पीएम मोदी ने पूरे देश को दीपावली की बधाई दी। उन्होंने कहा, दीपावली का पावन पर्व, पूरा देश रोशनी से जगमगा रहा है। प्रकाश का यह पर्व अंधकार के खिलाफ हमारे संकल्प का परिचय है। आप सभी को दीपावली की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। आपका यह समय शांति और समृद्धि से भरा रहे। मैं भी दीपावली को बड़े उत्साह से मनाता हूं। हर वर्ष आप जानते हैं कि देश के वीर जवानों के बीच में जाना मेरा कर्म है। यह इस बार भी जारी रहेगा। बता दें, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले काफी समय से युवाओं और देशवासियों को संबोधित करने के लिए वीडियो संदेश जारी करते हैं। पहले वह टीवी पर आकर देश के संबोधित करते थे लेकिन अब वह सोशल मीडिया साइट का प्रयोग करते हैं। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया की ताकत शुरुआत से ही भाजपा के नेताओं को भी समझाई है। 2014 के लोकसभा चुनाव से लेकर बाद भी में भाजपा सोशल मीडिया पर अपनी ताकत बढ़ाती हुई आई है। हाल ही में पीएम मोदी ने इंस्टाग्राम पर भी अपनी उपस्थिति काफी



हद तक बढ़ाई है। पीएम मोदी ने वीडियो के जरिए देश के नाम संदेश देने की शुरुआत की है। उनके इस प्रयोग को देश में भी हाथों-हाथ लिया जा रहा है। उनकी हर वीडियो एक व्यूज का रिकॉर्ड कायम करती हुई नजर आती है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की और दिवाली की शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में मुलाकात की जानकारी देते हुए कहा, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन जी से मुलाकात की और दिवाली की शुभकामनाएं दीं।

सीएम साय ने प्रदेशवासियों को दी दीवाली की बधाई : बोले- हर घर में सुख-समृद्धि, खुशहाली और नई उम्मीदों का प्रकाश लेकर आए



मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रकाश और उल्लास के महापर्व दीपावली पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने माँ लक्ष्मी और भगवान श्री गणेश से प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और मंगलमय जीवन की कामना की है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दीपावली केवल दीपों का पर्व नहीं, बल्कि आशा, विश्वास, प्रेम और सद्भाव का उत्सव है। यह पर्व हमें अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने तथा आपसी भाईचारे और एकता के साथ जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कामना की कि दीपावली का यह पावन पर्व छत्तीसगढ़ के हर घर में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए तथा हमारा प्रदेश विकास, खुशहाली और उन्नति के नए कीर्तिमान स्थापित करता रहे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने लोकभवन में राज्यपाल रमेन डेका से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को दीपावली के पावन पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

अभिषेक के घर पर हमले

ममता बनर्जी बोली-हमारे ऊपर बुलडोजर चला दो..



नई दिल्ली। ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी पर 'गुंडागर्दी' का गंभीर आरोप लगाया है। ममता बनर्जी ने दावा किया कि शनिवार तड़के करीब 2:00 बजे कोलकाता के कालीघाट इलाके में ममता टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी के घर पर हमला करने के बाद उपद्रवियों के एक गिरोह ने स्थानीय काली पूजा समारोह में भी भारी तोड़फोड़ और व्यवधान पैदा किया।काली पूजा और दिवाली के त्यौहार से ठीक पहले कालीघाट में हुई इस घटना के बाद पश्चिम बंगाल का राजनीतिक माहौल पूरी तरह गर्मा गया है। ममता बनर्जी ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि विपक्ष 'इंडिया' गठबंधन की एकजुटता से बौखलाया हुआ है और इसीलिए इस तरह के हथकंडे अपना रहा है।

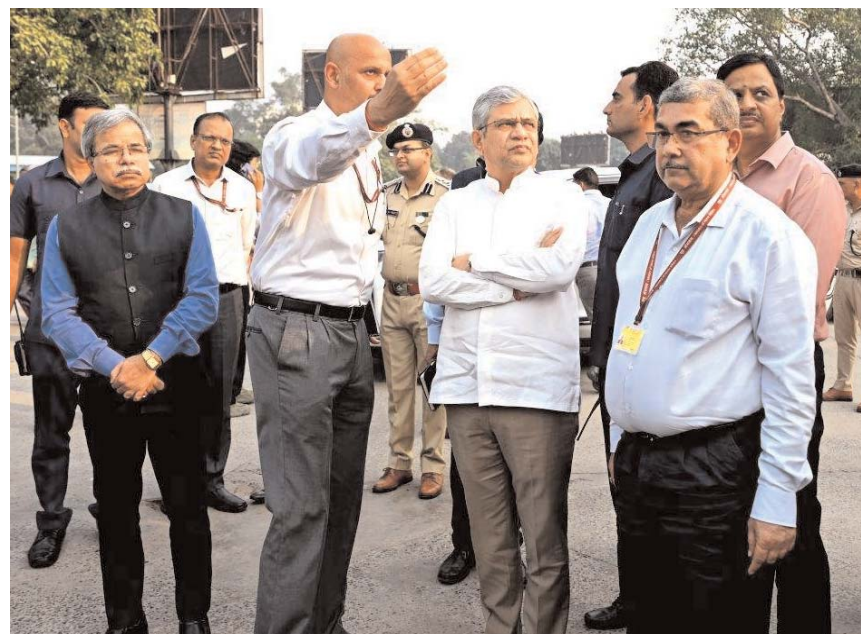

रेल, सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का दौरा किया।

यूपी के कर्मचारियों को दिवाली गिफ्ट

महंगाई भत्ता 58 प्रतिशत से बढ़कर 63 फीसदी हुआ



नई दिल्ली। योगी सरकार ने दिवाली से पहले यूपी के सरकारी कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। सरकार ने महंगाई भत्ता (डीए) 5 फीसदी बढ़ाकर 58 से 63 फीसदी कर दिया है। बढ़ी हुई दरें एक जुलाई 2026 से लागू होंगी। इससे प्रदेश के लाखों कर्मचारियों को फायदा मिलेगा। यूपी की योगी सरकार ने राज्य के 14 लाख से ज्यादा सरकारी कर्मचारियों को दिवाली से पहले बड़ा तोहफा दिया है। सरकार ने कर्मचारियों का महंगाई भत्ता (डीए) पांच फीसदी बढ़ाने का शासनादेश जारी कर दिया है। इसके साथ ही महंगाई भत्ते की दर 58 फीसदी से बढ़कर 63 फीसदी हो गई है। बढ़ी हुई दरें एक जुलाई 2026 से लागू होगी। प्रमुख सचिव आलोक कुमार की ओर से 7 नवंबर (आज) जारी शासनादेश के मुताबिक, राज्य के पूर्णकालिक नियमित कर्मचारियों, सहायता प्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थानों, शहरी स्थानीय निकायों के कर्मचारियों और कार्यभारित कर्मचारियों को बढ़ी हुई दर से महंगाई भत्ते का लाभ मिलेगा।

देश की टंकी में क्या भरा जा रहा है

ई20 बना 420' जनता की गाड़ियों से हो रही पेट्रोल की चोरी-राहुल....

नई दिल्ली/ एजेंसी

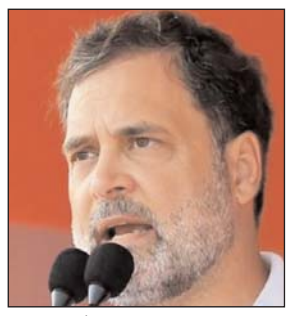

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कर्नाटक सरकार द्वारा एकत्र किये गये नमूनों के परीक्षण परिणामों का हवाला देते हुए ई20 पेट्रोल की बिक्री को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा और केंद्र से देशभर में बेचे जा रहे ईंधन में इथेनॉल की वास्तविक मात्रा को स्पष्ट करने की मांग की।राहुल गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ई20 बना 420 जनता की गाड़ी से पेट्रोल चोरी! वह जाहिर तौर पर पूर्ववर्ती भारतीय दंड संहिता की धारा 420 का परोक्ष उल्लेख कर रहे थे जो धोखाधड़ी से संबंधित है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार कहती है कि पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल है, लेकिन कर्नाटक सरकार ने सात जिलों से पेट्रोल के नमूने लेकर मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला में जांच करवाई तो इथेनॉल की मात्रा सीमा से ऊपर पाई गई। उन्होंने कहा, नतीजा देखिए। 14 में से 11 नमूनों में 20 प्रतिशत से ज्यादा इथेनॉल। आईओसीएल में 31.2 प्रतिशत, एचपीसीएल में 30.5 प्रतिशत। आईओसीएल, एचपीसीएल, नयारा, शेलज्सरकारी कंपनी हों या निजी-सब सीमा से ऊपर और कंपनियों की अपनी प्रयोगशालाओं ने इथेनॉल की मात्रा रिपोर्ट में लिखी ही नहीं। उन्होंने दावा किया कि गाड़ी में अधिक इथेनॉल से उसकी चालन क्षमता पर असर पड़ सकता है। उन्होंने पेट्रोल पंपों पर इथेनॉल की मात्रा के बारे में कोई जानकारी लिखी नहीं होने का भी आरोप लगाया।

मोहम्मद शमी ने टेस्ट क्रिकेट को कहा अलविदा

भावुक पोस्ट में लिखा-सफेद जर्सी से विदा लिया,यादों से नहीं-शमी...

नई दिल्ली/ एजेंसी

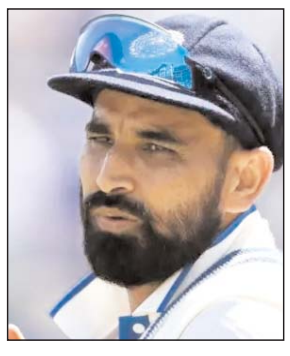

मोहम्मद शमी संन्यास: भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का एलान किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा कर अपने टेस्ट करियर को अलविदा कहा। शमी ने कहा कि वह सफेद जर्सी से विदा जरूर ले रहे हैं, लेकिन उससे जुड़ी यादों से कभी नहीं। हालांकि, वह वनडे और टी20 यानी व्हाइट बॉल क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे। 36 वर्षीय शमी ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा कर अपने टेस्ट करियर पर विराम लगाया। नई और पुरानी दोनों गेंदों से स्विंग और सीम मूवमेंट हासिल करने की क्षमता के लिए पहचाने जाने वाले शमी ने भारत के लिए 64 टेस्ट में 229 विकेट लिए। इस दौरान उन्होंने छह बार एक पारी में पांच या उससे ज्यादा विकेट झटके। शमी ने अपने संदेश में लिखा, 'मैं सफेद जर्सी से विदा ले रहा हूं, लेकिन उससे जुड़ी यादों से कभी नहीं। जब पहली बार भारत की टेस्ट जर्सी पहनी थी, तब सिर्फ एक सपना था- अपने देश के लिए कुछ करके दिखाना।' उन्होंने आगे कहा कि हर विकेट, हर संघर्ष, हर चोट और हर वापसी ने उन्हें कुछ न कुछ सिखाया। टेस्ट क्रिकेट उनके लिए सिर्फ एक प्रारूप नहीं, बल्कि जिंदगी का बेहद खास हिस्सा रहा है।



संक्षिप्त समाचार

एनसीएलटी ने एसबीआई के 12,668 करोड़ के बकाया मामले में वेणुगोपाल धूत को घोषित किया दिवालिया

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की 12,668



करोड़ रुपए के बकाये के मामले में दायर याचिका स्वीकार कर ली और वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज के पूर्व प्रवर्तक एवं निदेशक वेणुगोपाल नंदलाल धूत को दिवालिया घोषित कर दिया है। एनसीएलटी की मुंबई पीठ ने धूत के खिलाफ दिवाला प्रक्रिया संचालित करने के लिए एक दिवाला न्यासी भी नियुक्त किया है। धूत ने वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज की ओर से एसबीआई और उसके पूर्व सहयोगी बैंकों से ली गई ऋण सुविधाओं के लिए व्यक्तिगत गारंटी दी थी। इन सहयोगी बैंकों का बाद में एसबीआई में विलय हो गया था। एनसीएलटी की दो सदस्यीय पीठ ने बृहस्पतिवार को पारित आदेश में कहा, यहां व्यक्तिगत गारंटर वेणुगोपाल नंदलाल धूत को दिवालिया घोषित किया जाता है। एनसीएलटी ने दिवाला न्यासी को निर्देश दिया कि वह धूत के लेनदारों से दावे आमंत्रित करने के लिए सार्वजनिक सूचना जारी करे। उसने कहा कि दिवालिया (धूत) की संपत्ति उनके लेनदारों के बीच बांटी जाएगी। धूत को दिवाला कार्यवाही शुरू होने की तारीख से सात दिन के भीतर अपनी वित्तीय स्थिति का विवरण दिवाला न्यासी को सौंपने का निर्देश दिया गया है। आदेश में कहा गया, दिवालिया (धूत) इस आदेश की तारीख यानी दिवाला प्रक्रिया शुरू होने की तारीख से सात दिन के भीतर निर्धारित प्रारूप में अपनी वित्तीय स्थिति का विवरण दिवाला न्यासी को सौंपेंगे। पीठ ने कहा कि दिवाला न्यासी 90 दिन के भीतर न्यायाधिकरण और लेनदारों की समिति को प्रारंभिक रिपोर्ट भी सौंपेगा। इसके बाद उसे हर तिमाही में प्रगति रिपोर्ट देनी होगी।

डबल मुनाफे के बाद टाइटन शेयर ने पकड़ी रफ्तार, 6150 तक जा सकता है भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। शानदार तिमाही नतीजे के बाद टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन कंपनी लिमिटेड के शेयर में जबरदस्त उछाल आया। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को टाइटन कंपनी लिमिटेड के शेयर 4,831.55 रुपये की पिछली क्लोजिंग के मुकाबले करीब 4 पर्सेंट उछलकर 5,000 रुपये के स्तर के पार कर गया। इसी के साथ शेयर अपने 52 हफ्ते हाई के करीब आ गया है। बता दें कि शेयर के 52 हफ्ते का हाई 5,187.45 रुपये है। शेयर का यह भाव अगस्त 2026 में था। शेयर के फ्यूचर को लेकर एक्सपर्ट बुलिश भी हैं। आइए शेयर के टारगेट प्राइस और तिमाही नतीजे के बारे में जान लेते हैं। ब्रोकरेज नोमुरा ने टाइटन के शेयर पर अपनी 'खरीदें' रेटिंग को बरकरार रखा है और इसका टारगेट प्राइस 5425 प्रति शेयर से बढ़ाकर 6150 प्रति शेयर कर दिया है। यह इस शेयर के लिए अब तक का सबसे ऊंचा टारगेट प्राइस है। इसके अलावा, जेफरीज ने टाइटन के शेयर पर अपनी रेटिंग को अपग्रेड करके 'बाय' की रेटिंग दी है और इसका टारगेट प्राइस बढ़ाकर 6,000 कर दिया है। वहीं, क्रेडिट सुइस और सिटी ने भी अपनी 'बाय' रेटिंग बरकरार रखी है। जेपी मॉर्गन की रेटिंग 'न्यूट्रल' है। चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में टाइटन कंपनी लिमिटेड का मुनाफा दोगुने से अधिक होकर 2,393 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने बीते वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 1,120 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया था। टाइटन ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में परिचालन से कंपनी का राजस्व 23.54 प्रतिशत बढ़कर 20,337 करोड़ रुपये हो गया। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 16,461 करोड़ रुपये था। हालांकि, कंपनी की राजस्व वृद्धि की रफ्तार पिछली तिमाहियों के मुकाबले धीमी रही है।

अडानी की झोली में आएगी एक और विदेशी कंपनी

यूरोप की इवोस के साथ 27 हजार करोड में होगी डील

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप अपने बिजनेस का विस्तार करने के लिए लगातार दूसरी कंपनियों का अधिग्रहण कर रहा है। अब अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन यूरोप की लिक्विड स्टोरेज कंपनी इवोस बीवी का अधिग्रहण करेगी। कंपनी ने गुरुवार को बताया कि यह सौदा 2.88 अरब डॉलर (करीब 2.56 अरब यूरो यानी करीब 27 हजार करोड़ रुपये) के एंटरप्राइज वैल्यू पर होगा। यह पूरी तरह नकद में होने वाला सौदा है। इवोस की वैल्यू 1.18 अरब यूरो आंकी गई है। यह सौदा कंपनी के साल 2025 के श्वङ्क/ईबीआईटीडीए के 11.7 गुना पर हुआ है। अधिग्रहण के लिए अडानी पोर्ट्स कर्ज के जरिए रकम जुटाएगी। हालांकि इस सौदे को नियामकीय मंजूरी और दूसरी जरूरी मंजूरियां मिलना बाकी है। इसके अलावा कर्मचारियों के प्रतिनिधियों से भी बातचीत की जाएगी।

कैलेंडर ईयर 2025 में 392 मिलियन यूरो का रेवेन्यू दर्ज किया था। इस दौरान कंपनी का ईबीआईटीडीए 219 मिलियन यूरो रहा। कंपनी का ईबीआईटीडीए मार्जिन 56% था। अडानी पोर्ट्स के वित्तीय आंकड़ों के आधार पर दोनों कंपनियों का संयुक्त नेट डेट-टू-ईबीआईटीडीए अनुपात 2.76 गुना रहने का अनुमान है। इसके वित्त वर्ष 2027 तक घटकर करीब 2.5 गुना होने की उम्मीद है।

इवोस का अधिग्रहण कंपनी के 1 अरब टन कार्गो संभालने के लक्ष्य की दिशा में एक अहम कदम है। इससे कंपनी को दुनिया के प्रमुख लिक्विड स्टोरेज और ऊर्जा केंद्रों में अपनी मौजूदगी बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस सौदे से कंपनी को यूरोप के ऊर्जा बाजार में अपनी जगह मजबूत करने और वहां स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ते



बदलाव में भागीदारी का मौका मिलेगा।

इवोस यूरोप की दूसरी सबसे बड़ी स्वतंत्र लिक्विड स्टोरेज कंपनी है। यह कंपनी पेट्रोल, डीजल, समुद्री जहाजों में इस्तेमाल होने वाले ईंधन और विमान ईंधन के भंडारण का काम करती है। इसके अलावा कंपनी सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल , बायोफ्यूल, मेथनॉल और बायोएथेनॉल जैसे नए ईंधनों से जुड़े कारोबार में भी मौजूद है। कंपनी के पास नीदरलैंड, जर्मनी, स्पेन, बेल्जियम और माल्टा में बंदरगाहों पर बने टर्मिनल हैं। इनकी कुल स्टोरेज क्षमता 63 लाख क्यूबिक मीटर है। कंपनी ने साल 2025 में 3.7 करोड़ मीट्रिक टन सामान का संचालन किया था। अडानी ग्रुप ने साल 2014 से लेकर अब तक कई बड़ी कंपनियों और संपत्तियों का किया अधिग्रहण है।

पोर्ट और लॉजिस्टिक्स में बढ़ाया नेटवर्क

अडानी ग्रुप का पारंपरिक कारोबार पोर्ट और लॉजिस्टिक्स से जुड़ा रहा है। इस क्षेत्र में भी समूह ने कई बड़े अधिग्रहण किए हैं। आंध्र प्रदेश के गंगावरम पोर्ट और कृष्णापट्टनम पोर्ट को समूह ने अपने पोर्ट नेटवर्क में शामिल किया। इसके अलावा, समुद्री सेवाएं देने वाली कंपनी ओशन स्पार्कल का भी अधिग्रहण किया गया। अडानी ग्रुप ने एयरपोर्ट सेक्टर में भी तेजी से विस्तार किया। त्रङ्क्ष ग्रुप के साथ हुए सौदे के जरिए मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नियंत्रण हासिल किया गया। इसके अलावा नवी मुंबई एयरपोर्ट परियोजना में भी समूह की बड़ी हिस्सेदारी है। समूह को अहमदाबाद, गुवाहाटी, जयपुर, लखनऊ, मंगलुरु और तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट के संचालन की जिम्मेदारी भी मिली। इन एयरपोर्ट को पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत लीज पर लिया गया था। अडानी ग्रुप ने बिजली और ऊर्जा कारोबार में भी अधिग्रहण के जरिए अपनी मौजूदगी बढ़ाई। दिसंबर 2017 में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के पावर ट्रांसमिशन कारोबार से जुड़ी संपत्तियों के अधिग्रहण का सौदा किया गया था। इस सौदे की कीमत करीब 18,800 करोड़ रुपये बताई गई थी। मीडिया सेक्टर में अडानी ग्रुप ने साल 2022 में एएमजी मीडिया नेटवर्क्स के जरिए एनडीटीवी का अधिग्रहण किया। इससे अडानी ग्रुप ने मीडिया कारोबार में भी कदम रखा।

वाहन खुदरा बिक्री अक्टूबर में 23.8 प्रतिशत घटकर 31.72 लाख इकाई रही: फाडा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में वाहनों की खुदरा बिक्री अक्टूबर में सालाना आधार पर 23.8 प्रतिशत घटकर 31.72 लाख से अधिक इकाई रह गई। उद्योग निकाय फाडा ने यह जानकारी दी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के आंकड़ों के अनुसार, बिक्री में यह गिरावट इसलिए भी रही क्योंकि इस साल धनतेरस और दिवाली नवंबर में पड़ रहे हैं, जबकि पिछले साल नवरात्र तथा दिवाली दोनों अक्टूबर में थे। इसके अलावा, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती के बाद पिछले साल मांग में आई तेज उछाल का भी असर था। दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री अक्टूबर में 28.35 प्रतिशत घटकर 23.21 लाख इकाई रही, जबकि यात्री वाहनों की बिक्री 4.23 प्रतिशत फिसलकर 5.08 लाख इकाई पर आ गई। फाडा के अध्यक्ष साई गिरिधर ने कहा, अक्टूबर भारत में साल का सबसे बड़ा खुदरा बिक्री वाला महीना होता है और इस साल इसके आंकड़ों को त्योहारों के कैलेंडर को ध्यान में रखकर देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि सालाना आधार पर आई गिरावट लगभग पूरी तरह आंकड़ों में दिखने वाला असर है। गिरिधर ने कहा, पिछले साल अक्टूबर असाधारण महीना था, जब नवरात्र और दीपावली दोनों एक साथ पड़े थे। इसके अलावा, 22 सितंबर, 2025 को जीएसटी दरों में कटौती के बाद दबी हुई मांग भी बाजार में आई थी।

मृत कर्मचारी के जीपीएफ पैसा पर पहला हक परिवार का

नई दिल्ली , एजेंसी। जीपीएफ यानी कि जनरल प्रोविडेंट फंड सरकार की एक पेंशन योजना है। इसे आसान भाषा में समझें तो यह पुरानी पेंशन योजना का पालन करने वाले सरकारी कर्मचारियों के लिए एक रिटायरमेंट योजना है। इस योजना की खास बात यह है कि इसकी सुविधा एनपीएस और यूपीएस से जुड़े कर्मचारियों को नहीं



मिलती है। अब केंद्र सरकार ने जीपीएफ को लेकर एक नियम की जानकारी दी है। आमतौर पर देखा जाता था कि सरकारी कर्मचारियों की असामयिक मृत्यु के बाद उनके प्रोविडेंट फंड के पैसों को लेकर विवाद हो जाता था। सवाल यह होता था कि यह पैसा बाहरी नॉमिनी को दिया जाएगा या उनकी फैमिली को। अब इस झंझट को सरकार ने खत्म कर दिया है। आइए जानते हैं पूरी खबर।

मिली जानकारी के अनुसार, बीते 29 अक्टूबर को केंद्र सरकार ने जीपीफ फंड को लेकर एक बड़ा फैसला किया। कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय ने अपने ऑफिस मेमोरैंडम में नियमों को स्पष्ट करते हुए बताया कि मृत कर्मचारियों के जीपीएफ का पैसा किसे मिलेगा। सरकार ने यह साफ कर दिया है कि किसी सरकारी कर्मचारी के निधन पर जब मामला उसके जीपीएफ फंड के क्लेम और भुगतान का आएगा तो इसपर पहला हक उसके परिवार का होगा। सरकार ने यह भी बताया कि बाहरी नॉमिनी होने के बावजूद भी मृत कर्मचारी के जीपीएफ पैसा पर पहला हक उसकी फैमिली (परिवार) का ही होगा। हर महीने बचत करके कैसे बनाएं मोटा पैसा बड़े काम के हैं निवेश के ये ऑप्शन; आपने देखा क्यायह भी पढ़ें:हर महीने बचत करके कैसे बनाएं मोटा पैसा बड़े काम के हैं निवेश के ये ऑप्शन; आपने देखा क्या सरकार ने जीपीएफ पैसा को लेकर दो स्थितियों को स्पष्ट किया है। पहली कि जब कर्मचारी की मृत्यु जीपीएफ का पैसा भुगतान होने से पहले हो जाती है। दूसरी स्थिति कि जब कर्मचारी की मृत्यु हो गई होती है, पैसा भुगतान हो चुका है या भुगतान होना बाकी है। सरकार ने अपने नियम में यह बात साफ किया है कि यदि सरकारी कर्मचारी की मृत्यु हो जाती है और जब नॉमिनी परिवार से ही होता है तो उसे जीपीएफ का पूरा पैसा मिलेगा। अगर नॉमिनी में एक से अधिक लोग हैं तो पैसा नॉमिनेशन में दिए गए हिस्से (अनुपात) के हिसाब से बांट दिया जाएगा। आखिर रिटायरमेंट प्लानिंग की इतनी जरूरत क्यों इन 5 बातों से समझें इसकी अहमियतयह भी पढ़ें:आखिर रिटायरमेंट प्लानिंग की इतनी जरूरत क्यों इन 5 बातों से समझें इसकी अहमियत जब नॉमिनी परिवार से ना हो, या कोई वैध नॉमिनी ना हो या फिर जहां नॉमिनेशन में केवल आधी-अधूरी राशि का ही जिक्र किया गया हो तो ऐसे में जीपीएफ का पूरा पैसा मृत कर्मचारी की फैमिली को दे दी जाएगी। उसके परिवार के योग्य सदस्यों को यह पैसा बराबर-बराबर करके बांट दिया जाएगा। अगर नॉमिनी परिवार से नहीं बल्कि बाहर से है तब भी जीपीएफ का पैसा फैमिली को ही दी जाएगी।

2.5 ट्रिलियन स्वाहा! अमेरिकी शेयर बाजार में हाहाकार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डेमोक्रेट्स को ठहराया जिम्मेदार

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के शेयर बाजार में गुरुवार को भारी गिरावट देखने को मिली। देश में हाल में हुए मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेट्स की जीत के कारण निवेशकों को आशंका है कि एआई पर हो रहे भारी निवेश पर ब्रेक लग सकता है। इससे टेक शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली। नैसडैक में कारोबार के दौरान 6.4 फीसदी फिसल गया जो 2020 में कोरोना काल के बाद इसमें एक दिन में आई सबसे बड़ी गिरावट है। इस गिरावट से निवेशकों के 2.5 ट्रिलियन डॉलर स्वाहा हो गए। नैसडैक अंत में 5.54 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुआ। यह 6 अक्टूबर के हाई से 10 फीसदी नीचे आ चुका है। एसएंडपी 500 और डाउ जोंस ने भी अप्रैल 2025 के बाद अपनी सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की। अमेरिकी शेयर बाजार में आई गिरावट का असर ग्लोबल मार्केट पर भी दिखाई दे रहा है। साउथ कोरिया का मार्केट खुलते ही करीब 9 फीसदी गिर गया और कोस्पी इंडेक्स पर करीब 20 मिनट के लिए ट्रेडिंग रोकनी पड़ी।

इस बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शेयर बाजार में आई भारी गिरावट के लिए डेमोक्रेट्स को जिम्मेदार ठहराया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, 'रिजल्ट के बाद शेयर बाजार में भारी गिरावट आई है। यह इतिहास की बड़ी गिरावटों में से एक है। यह देखना दुःखद है। यहां तक पहुंचने के लिए हमने काफी मेहनत की थी और फिर यह



सबकुछ। आपका 401 (के) ड्रॉप हो गया। याद रखिए इसके लिए रिपब्लिकन नहीं, डेमोक्रेट्स जिम्मेदार हैं।'

अमेरिका में 401(के) एम्प्लॉयर द्वारा प्रायोजित एक रिटायरमेंट सेविंग्स स्कीम है। इसका नाम 'इंटरनल रेवेन्यू कोड' के सेक्शन 401(के) के नाम पर रखा गया है। यह वर्कर्स को अपनी सैलरी का एक हिस्सा टैक्स कटने से पहले या बाद में बचाने और निवेश करने की सुविधा देती है। इससे पहले बुधवार को यूएस मार्केट में तेजी आई थी। लेकिन गुरुवार की गिरावट ने उस पर पानी फेर दिया। रिजल्ट के बाद शेयर बाजार में भारी गिरावट आई है। यह इतिहास की बड़ी गिरावटों में से एक है। यह देखना दुःखद है। यहां तक पहुंचने के लिए हमने काफी मेहनत की थी और फिर यह सबकुछ। आपका 401 (के) ड्रॉप हो गया। याद रखिए इसके लिए रिपब्लिकन नहीं, डेमोक्रेट्स जिम्मेदार हैं। मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेट्स की बंपर जीत के बाद भारी बिकवाली देखने को मिली। डेमोक्रेट्स ने कई ऐसे राज्यों में भी जीत हासिल की है जहां डेटा सेंटर्स के खिलाफ विरोध बढ़ रहा है। निवेशकों को आशंका है कि आने वाले दिनों में एआई बूम की रफ्तार धीमी पड़ सकती है। इससे एआई से जुड़े शेयरों में भारी गिरावट आई। एनवीडिया को शेयर 9.3 फीसदी लुढ़क गया और इसके साथ ही उसने इस साल की पूरी कमाई एक झटके में गंवा दी। एलन मस्क की टेस्ला और स्पेसएक्स में भी क्रमशः 11 फीसदी और 9 फीसदी गिरावट आई।

ब्लिंकिट एंबुलेंस फ्री यूज करने में ग्लानि होती है जल्दी ही कर सकेंगे 'स्वैच्छिक भुगतान'

नई दिल्ली , एजेंसी। क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म ब्लिंकइट की एंबुलेंस सेवा इन दिनों चर्चा में है। चर्चा की वजह ज़ोमैटो और ब्लिंकइट के फाउंडर दीपिंदर गोयल का एक ट्वीट है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्वीटर) पर गुरुवार को किए गए इस पोस्ट में उन्होंने कहा है कि अब ब्लिंकिट की सभी एंबुलेंस सेवाएं फ्री नहीं होंगी। क्योंकि लोग इस सेवा का उपयोग कम दुरुपयोग ज्यादा करते हैं। इसके बाद एक व्यक्ति ने कहा कि वह उनकी इमरजेंसी सर्विस का यूज करके प्रभावित हैं। वह इसके लिए भी पेमेंट करना चाहते हैं, लेकिन वह कंट्रीब्यूट नहीं कर पा रहे हैं।

गुरुवार, 5 नवंबर को दिन में सवा बारह बजे गोयल ने एक ट्वीट का जवाब दिया था। इस पोस्ट में कहा गया था कि ब्लिंकिट एंबुलेंस ने उनकी ग्रैंडमा का जीवन बचा लिया। वह लिखते



हैं कि महज 8 मिनट में जिस तरह से उनका एंबुलेंस आया और त्वरित प्रोफेशनल सर्विस मिली, इस तरह की सेवा को किसी हॉस्पिटल के एंबुलेंस में भी नहीं मिलती। स्पर्श सहगल के इसी पोस्ट पर दीपिंदर गोयल ने लंबा-चौड़ा जवाब लिखा। उन्होंने लिखा 'मैंने ब्लिंकिट एंबुलेंस सेवा की शुरुआत सेवा भाव से की थी। बीते दो साल के दौरान इस सेवा का लाभ करीब 42,000 केसेज में उठाया गया। उनमें से महज 20,000 केसेज ही इमरजेंसी थे। बांकी रूटीन चेक-अप, हॉस्पिटल विजिट, अस्पताल से घर लौटने वाले मरीज थे। ऐसे मरीज आराम से उबर या किसी अन्य प्राइवेट ट्रांसपोर्ट का लाभ ले सकते थे। उनके लिए फुल्ली इक्विप्ड एंबुलेंस की कोई आवश्यकता नहीं थी। इसलिए अब सिर्फ इमरजेंसी ट्रांसफर ही फ्री होगी। नॉन-इमरजेंसी ट्रांसफर के लिए ढाई हजार रुपये चार्ज किए जाएंगे। वह आगे लिखते हैं कि पेड एंबुलेंस सर्विस से जो पैसे मिलेंगे, वह कंपनी की धर्मार्थ संस्था इंटरनल फाउंडेशन को दे दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि यही संस्था ब्लिंकिट एंबुलेंस का संचालन करती है। उनका कहना है कि नॉन-इमरजेंसी ट्रांसफर से जो भी पैसे आएंगे, उससे इस तरह की सेवा का और विस्तार करने में मदद मिलेगी। अभी तो यह सेवा सिर्फ महानगरों में उपलब्ध है।

बर्तन धोने से शुरू किया सफर, आज 15 रेस्टोरेंट के मालिक, 111 करोड़ का कारोबार, कभी 35 रुपये लेकर आए थे मुंबई

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई में आज शिव सागर का नाम मशहूर रेस्टोरेंट ब्रांड के तौर पर जाना जाता है। यहां लोग पाव भाजी से लेकर पिज्जा और कई तरह के दूसरे व्यंजनों का स्वाद लेने आते हैं। लेकिन इस ब्रांड की शुरुआत किसी बड़े निवेश या आलीशान रेस्टोरेंट से नहीं हुई थी। इसके पीछे नारायण टी पुजारी का संघर्ष है, जो महज 13 साल की उम्र में जेब में 35 रुपये लेकर कर्नाटक के एक छोटे से गांव से मुंबई आए थे।

उन्होंने छोटे होटलों में बर्तन धोने और फर्श साफ करने से शुरुआत की। आगे चलकर उन्होंने एक छोटी आइसक्रीम की दुकान खोली, जो धीरे-धीरे शिव सागर जैसे बड़े रेस्टोरेंट ब्रांड में बदल गई। नारायण टी. पुजारी कर्नाटक के उडुपी जिले के गुज्जाडी गांव के रहने वाले हैं। उनका परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। परिवार की मदद करने और रोजी-रोटी कमाने के लिए उन्होंने कम उम्र में ही मुंबई आने का फैसला किया। मुंबई पहुंचने के बाद उनका जीवन आसान नहीं था। उन्होंने दक्षिण मुंबई के छोटे होटलों और कैंटीन में काम किया।



कभी बर्तन धोए, कभी टेबल साफ कीं तो कभी फर्श की सफाई की। दिनभर मेहनत करने के बाद भी उन्होंने पढ़ाई जारी रखने का फैसला किया। वह दिन में काम करते और रात में स्कूल जाते थे। काम के दौरान नारायण की मुलाकात मर्चेंट नेवी के युवा कैडेट्स से होती थी। उनकी बातें और काम के प्रति अनुशासन ने नारायण को काफी प्रभावित किया। उनसे बातचीत करके उन्हें समझ आया कि जिंदगी में सिर्फ रोज की कमाई तक सीमित रहने के बजाय कुछ बड़ा करने की कोशिश करनी चाहिए। धीरे-धीरे उनके भीतर अपना कारोबार शुरू करने का सपना मजबूत होने लगा। उन्होंने काम के साथ-साथ लोगों को समझना और उनसे सीखना जारी रखा। साल 1990 में नारायण ने मुंबई के फोर्ट इलाके में आइसक्रीम की एक छोटी दुकान शुरू की। कारोबार की शुरुआत में वह खुद ही खाना बनाने, सफाई करने और दुकान के रोजमर्रा के काम संभालते थे। कारोबार को लेकर कोई पक्की गारंटी नहीं थी, लेकिन उन्होंने मेहनत जारी रखी। इसी दौरान एक ग्राहक ने उन्हें दुकान पर पाव भाजी बेचने का सुझाव दिया। नारायण ने इस सलाह को अपनाया और मेन्यू में पाव भाजी शामिल कर दी। यह फैसला उनके कारोबार के लिए बड़ा मोड़ साबित हुआ। 14 लाख सैन्यकर्मियों के वाहनों को टोल में छूट, गडकरी के सड़क और राजनाथ के रक्षा मंत्रालय में बातचीत शुरूयह भी पढ़ें:14 लाख सैन्यकर्मियों के वाहनों को टोल में छूट, गडकरी के सड़क और राजनाथ के रक्षा मंत्रालय में बातचीत शुरू पाव भाजी को ग्राहकों ने खूब पसंद किया। धीरे-धीरे दुकान पर लोगों की भीड़ बढ़ने लगी और रोजाना सैकड़ों प्लेट बिकने लगीं। नारायण को समझ आ गया कि ग्राहकों की पसंद को समझना और समय के साथ मेन्यू में बदलाव करना फूड बिजनेस के लिए जरूरी है। उन्होंने अपने मेन्यू में भी नए व्यंजन शामिल किए। 2000 के शुरुआती वर्षों में उन्होंने पिज्जा, मैक्सिकन फूड और भारतीय स्वाद वाले नए व्यंजनों को जगह दी। इस तरह उन्होंने पारंपरिक भारतीय खाने के साथ नए विकल्प भी ग्राहकों को देने शुरू किए।

एलन मस्क ने एक दिन में गंवा दी 9% से ज्यादा दौलत, अमीरों की लिस्ट में ऊपर चढ़े मुकेश अंबानी

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी शेयर बाजार में गुरुवार को भारी गिरावट आई। निवेशकों को आशंका है कि मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेट्स की भारी जीत के कारण एआई पर हो रहे खर्च पर लगाम लग सकती है। इससे बाजार में भारी बिकवाली देखने को मिली। इस गिरावट के कारण दुनिया के टॉप 10 अमीरों की नेटवर्थ भी फिसल गई। सबसे ज्यादा झटका एलन मस्क को लगा। दुनिया के सबसे बड़े रईस की नेटवर्थ एक झटके में 9 फीसदी से ज्यादा गिर गई। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ में 79.7 अरब डॉलर की गिरावट आई है। इसके साथ ही उनकी नेटवर्थ 785 अरब डॉलर रह गई है। मस्क की कंपनी स्पेसएक्स का शेयर गुरुवार को 9.05 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुआ जबकि टेस्ला में 10.77 फीसदी गिरावट आई। वैसे इस साल मस्क की नेटवर्थ में 312 अरब डॉलर की तेजी आई है।

चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया के शेयरों में भी भारी गिरावट आई। इससे कंपनी के फाउंडर और सीईओ जेंसन हुआंग की नेटवर्थ 15.1 अरब की गिरावट के साथ 151 अरब डॉलर रह गई और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 13वें नंबर पर फिसल गए। डेल कॉरपोरेशन के माइकल डेल ने 19.4 अरब डॉलर गंवा दिए और उनकी नेटवर्थ 190 अरब डॉलर रह गई है। ऐमजॉन के फाउंडर



जेफ बेजोस ने 4.99 अरब डॉलर गंवाए जबकि लैरी पेज को 4.24 अरब डॉलर का झटका लगा। इसी तरह सर्गेई ब्रिन की नेटवर्थ 3.88 अरब डॉलर कम हो गई जबकि फेसबुक के मार्क जकरबर्ग की नेटवर्थ में 8.41 अरब डॉलर की गिरावट आई। टॉप 10 रईसों में शामिल वॉरेन बफे ने 2.26 अरब डॉलर और लैरी एलिसन ने 10.1 अरब डॉलर गंवाए। इस बीच भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को भारी तेजी रही। इससे भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस गौतम अडानी की नेटवर्थ में 1.12 अरब डॉलर की तेजी आई। वह 117 अरब की नेटवर्थ के साथ दुनिया में 18वें नंबर पर हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 51 करोड़ की तेजी के साथ 87.3 अरब पहुंच गई और वह अमीरों की लिस्ट में एक स्थान चढ़कर 22वें नंबर पर आ गए।

संक्षिप्त समाचार



बालसमुंद कुष्ठ आश्रम में आयोजित सुरक्षा एवं विकृति बचाव शिविर में दी गई विशेष देखभाल की जानकारी

रायगढ़। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत बालसमुंद कुष्ठ आश्रम में सुरक्षा एवं विकृति बचाव शिविर (पीओडी कैंप) का आयोजन किया गया। शिविर में कुष्ठ रोग से दिव्यांगता के शिकार मरीजों को हाथ-पैर एवं आंखों की नियमित देखभाल करने तथा विकृति से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी गई। शिविर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल जगत, जिला कार्यक्रम प्रबंधक रंजना पैंकरा, जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. अविनाश चंद्रा, नोडल अधिकारी डॉ. जावेद तथा लोईंग विकासखंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रदीप राठौर उपस्थित रहे। इस दौरान मरीजों को बताया गया कि कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्ति अपने हाथ-पैर और आंखों की नियमित देखभाल करें, ताकि किसी प्रकार की चोट, घाव अथवा विकृति की स्थिति से बचा जा सके। परिवार के किसी भी सदस्य में कुष्ठ रोग के लक्षण दिखाई देने या संदेह होने पर तत्काल जांच कराने की सलाह दी गई। बालसमुंद कुष्ठ आश्रम में घाव से प्रभावित मरीजों की सुविधा के लिए प्रत्येक बुधवार को ड्रेसर द्वारा आश्रम पहुंचकर नियमित रूप से घावों की ड्रेसिंग की जाती है।



खाद्य लाइसेंस प्रस्तुत नहीं करने एवं स्वच्छता व्यवस्था दुरुस्त होने तक होटल बंद रखने के निर्देश

सूरजपुर। दीपावली पर्व के दृष्टिगत आम नागरिकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन के आदेशानुसार तथा अभिहित अधिकारी पुष्पराज के मार्गदर्शन में रामानुजनगर बस स्टैंड के समीप स्थित राजू होटल का औचक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान होटल के रसोई घर में व्यापक स्तर पर अस्वच्छ परिस्थितियों में भोजन तैयार किया जाना पाया गया। साथ ही काले पड़ चुके तेल का उपयोग किया जा रहा था। निरिक्षण के दौरान होटल संचालक द्वारा मौके पर लाइसेंस प्रस्तुत नहीं किया गया। खाद्य सुरक्षा मानकों एवं स्वच्छता संबंधी अनियमितताओं को गंभीरता से लेते हुए होटल से खोआ का विधिक नमूना जांच हेतु संग्रहित किया गया। साथ ही परिसर में स्वच्छता व्यवस्था दुरुस्त करने एवं वैध खाद्य लाइसेंस प्राप्त करने तक होटल को बंद रखने के निर्देश देते हुए नोटिस चस्पा किया गया।



रेलवे मालगोदाम श्रमिकों के लिए नि :शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

रायगढ़। रेलवे मालगोदाम में कार्यरत श्रमिकों के स्वास्थ्य की देखभाल और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गुरुवार को रायगढ़ के सिंधी भवन, पक्की खोली में नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं विभिन्न जांचों की सुविधा उपलब्ध कराई गई। भारतीय रेलवे मालगोदाम श्रमिक संघ की छत्तीसगढ़ प्रदेश इकाई के नेतृत्व में आयोजित इस पहल का उद्देश्य मालगोदामों में काम करने वाले श्रमिकों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना तथा उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के निर्देशानुसार और रेलवे प्रशासन के सहयोग से रायगढ़ एवं बाराद्वार मालगोदाम में कार्यरत श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संस्था में बेमेतरा जिला अध्यक्ष डॉक्टर शिरीष शर्मा नियुक्त

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संस्था, रायपुर ने जिला स्तरीय पदाधिकारियों के मनोनयन की घोषणा कर दी है।



संस्था के प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार बाजारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार, डॉ. शिरीष शर्मा को जिला बेमेतरा का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। यह मनोनयन संस्था के नियम 12 के अनुसार नियम (5) में दर्शाये गए सदस्यों में से किया गया है। डॉ. शर्मा का कार्यकाल 25 अक्टूबर 2026 से 24 अक्टूबर 2029 तक, कुल 3 वर्ष के लिए होगा। संस्था की वार्षिक आम सभा दिनांक 25.10.2026 में जिला शाखा बनाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से अनुमोदित हुआ था। उसी प्रस्ताव के तहत जिला शाखा के पदों की स्वीकृति की प्रत्याशी में यह मनोनयन किया गया है।आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि जिला शाखा के शेष पदों एवं कार्यकारिणी के मनोनयन का अधिकार जिला शाखा अध्यक्ष को रहेगा। वे अपने स्तर पर सदस्यों से चर्चा कर कार्यकारिणी का गठन करेंगे।

युवा रत्न सम्मान योजना के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 15 नवंबर तक बढ़ी

सारंगढ़-बिलाईगढ़। संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण, छत्तीसगढ़ द्वारा संचालित युवा रत्न सम्मान योजना 2026ङ्क27 के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 15 नवंबर 2026 कर दी गई है। योजना के अंतर्गत पात्र युवाओं एवं स्वैच्छिक संगठनों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। पूर्व में आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर निर्धारित थी। पात्र आवेदक अब बढ़ी हुई अवधि का लाभ लेकर अपना आवेदन जिला खेल एवं युवा कल्याण कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। संशोधित समय-सारणी के अनुसार जिला स्तरीय समितियों द्वारा आवेदन आमंत्रित करने की अवधि 1 अक्टूबर से 15 नवंबर तक, आवेदनों के परीक्षण की अवधि 16 से 30 नवंबर तक तथा संचालनालय को आवेदन भेजने की अवधि 1 से 15 दिसंबर 2026 तक निर्धारित की गई है। अंतिम सूची 1 जनवरी 2027 को जारी होगी तथा पुरस्कार वितरण 12 जनवरी 2027, राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर किया जाएगा। जिले के पात्र युवा एवं स्वैच्छिक संगठन निर्धारित समय-सीमा में आवेदन प्रस्तुत करें।

30 कलाकंद मौके पर ही नष्ट कराए, मिलावट की आशंका पर विभाग की पैनी नजर

खाद्य सुरक्षा विभाग की सघन जांच, मिठाइयों के 20 नमूने लिए



सारंगढ़-बिलाईगढ़। आगामी त्योहारी सीजन में आम नागरिकों को शुद्ध, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले में मिठाई एवं खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने सारंगढ़, बिलाईगढ़ एवं बरमकेला विकासखंड के विभिन्न मिठाई प्रतिष्ठानों में औचक जांच कर खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित किए।

निरीक्षण के दौरान पेड़ा, काजू कतली, शक्करपारा, मोतीचूर लड्डू, मिक्सचर, गुलाब जामुन सहित विभिन्न प्रकार की मिठाइयों एवं दुग्ध उत्पादों के कुल 20 नमूने जांच के लिए लिए गए। वहीं, कार्रवाई के दौरान 30 कलाकंद को मौके पर ही नष्ट कराया गया, ताकि उनका विक्रय एवं उपभोग न हो सके। संग्रहित नमूनों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। निरीक्षण के दौरान खाद्य प्रतिष्ठान संचालकों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों का पालन करने के निर्देश दिए गए। साथ ही प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई, खाद्य पदार्थों के उचित भंडारण, गुणवत्ता एवं वैध खाद्य लाइसेंस अथवा पंजीयन सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। विभाग द्वारा खाद्य पदार्थों में मिलावट की आशंका को देखते हुए विशेष निगरानी रखी जा रही है।खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि संग्रहित नमूनों की प्रयोगशाला जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद गुणवत्ता मानकों का उल्लंघन, मिलावट अथवा खाद्य पदार्थ असुरक्षित पाए जाने की स्थिति में संबंधित खाद्य कारोबारकर्ताओं के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।इस निरीक्षण एवं नमूना संग्रहण अभियान में अभिहित अधिकारी भारत भूषण पटेल, वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी नेमीचंद पटेल, खाद्य सुरक्षा अधिकारी वरुण पटेल एवं श्रीमती सुमन अग्रवाल शामिल रहे।खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले के सारंगढ़, बिलाईगढ़, बरमकेला सहित अन्य क्षेत्रों में भी लगातार निरीक्षण एवं नमूना संग्रहण अभियान जारी रखने की बात कही गई है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि आम नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने तथा खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

साफ-सफाई और खाद्य गुणवत्ता बनाए रखने के दिए निर्देश

निरीक्षण के दौरान खाद्य प्रतिष्ठान संचालकों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों का पालन करने के निर्देश दिए गए। साथ ही प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई, खाद्य पदार्थों के उचित भंडारण, गुणवत्ता एवं वैध खाद्य लाइसेंस अथवा पंजीयन सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। विभाग द्वारा खाद्य पदार्थों में मिलावट की आशंका को देखते हुए विशेष निगरानी रखी जा रही है।

लैब रिपोर्ट के आधार पर होगी वैधानिक कार्रवाई

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि संग्रहित नमूनों की प्रयोगशाला जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद गुणवत्ता मानकों का उल्लंघन, मिलावट अथवा खाद्य पदार्थ असुरक्षित पाए जाने की स्थिति में संबंधित खाद्य कारोबारकर्ताओं के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

इन अधिकारियों की रही मौजूदगी

इस निरीक्षण एवं नमूना संग्रहण अभियान में अभिहित अधिकारी भारत भूषण पटेल, वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी नेमीचंद पटेल, खाद्य सुरक्षा अधिकारी वरुण पटेल एवं सुमन अग्रवाल शामिल रहे।

त्योहारी सीजन तक जारी रहेगा जांच अभियान

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले के सारंगढ़, बिलाईगढ़, बरमकेला सहित अन्य क्षेत्रों में भी लगातार निरीक्षण एवं नमूना संग्रहण अभियान जारी रखने की बात कही गई है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि आम नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने तथा खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि त्योहारों के दौरान मिठाइयां एवं अन्य खाद्य सामग्री खरीदते समय उनकी गुणवत्ता और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें तथा किसी भी प्रकार की मिलावट या अनियमितता की जानकारी मिलने पर खाद्य सुरक्षा विभाग को सूचित करें।

किसानों को धान बेचने टोकन में ना हो परेशानी खरीदी प्रभारी को दिए निर्देश कलेक्टर जय श्री जैन

15 नवंबर से 15 जनवरी 2027 तक होगी समर्थन मूल्य पर धान खरीदी



सक्ती। शासन द्वारा खरीफविपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की अवधि 15 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक निर्धारित की गई है। धान खरीदी प्रारंभ होने के 5 दिन पूर्व अर्थात 10 नवंबर से किसानों को टोकन जारी किए जाएंगे। किसान अपनी सुविधा अनुसार आगामी दो महीने के किसी भी दिन का टोकन प्राप्त कर सकेंगे। जिले की 96 सहकारी समितियों के अंतर्गत कुल 129 धान उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शासन द्वारा जिले में 03 नवीन धान उपार्जन केंद्र भी प्रारंभ किए गए हैं तथा सभी 129 उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी संबंधी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं। इस वर्ष शासन द्वारा धान कॉमन का समर्थन मूल्य 2441 रुपए प्रति क्विंटल एवं धान ग्रेड-ए का समर्थन मूल्य 2461 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। प्रति एकड़ धान खरीदी की अधिकतम सीमा 21 क्विंटल लिंकिंग सहित निर्धारित की गई है। किसानों को समिति में टोकन प्राप्त करने के लिए लंबी कतारों से राहत दिलाने एवं समय की बचत के उद्देश्य से इस वर्ष भी तुंहर टोकन मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन टोकन प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। पंजीकृत किसान गूगल प्ले स्टोर से अपने मोबाइल में ऐप डाउनलोड कर घर बैठे टोकन प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए किसानों को सर्वप्रथम ओटीपी आधारित पंजीयन करना होगा। शासन द्वारा निर्धारित व्यवस्था के अनुसार प्रतिदिन की खरीदी सीमा का 70 प्रतिशत टोकन मोबाइल ऐप के माध्यम से तथा 30 प्रतिशत टोकन संबंधित समिति के माध्यम से जारी किए जाएंगे। ऑनलाइन टोकन की निर्धारित 70 प्रतिशत सीमा में से 80 प्रतिशत टोकन लघु एवं सीमांत किसानों तथा 20 प्रतिशत टोकन बड़े किसानों के लिए निर्धारित किए गए हैं। टोकन व्यवस्था के तहत 2 एकड़ तक वाले लघु किसानों को 1 टोकन, 2 एकड़ से अधिक एवं 10 एकड़ तक वाले सीमांत किसानों को 2 टोकन तथा 10 एकड़ से अधिक भूमि वाले बड़े किसानों को 3 टोकन जारी करने का प्रावधान किया गया है। किसान पूर्व की भांति धान की मात्रा स्वयं दर्ज कर टोकन प्राप्त कर सकेंगे। धान की खरीदी बायोमेट्रिक आधारित प्रणाली से की जाएगी। किसानों को टोकन प्राप्त करने अथवा धान विक्रय के दौरान किसी प्रकार की समस्या होने पर शासन द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर 1800-233-3663 पर संपर्क कर आवश्यक जानकारी एवं सहायता प्राप्त की जा सकती है।

'विष्णु के पाती' पाकर ग्राम बीजा की यशोदा मरकाम हुईं भावविभोर, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति जताया आभार



बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा राज्य स्थापना दिवस एवं दीपावली पर्व के अवसर पर प्रदेशवासियों को भेजे जा रहे आत्मीय संदेश 'विष्णु के पाती' को पाकर ग्राम बीजा की यशोदा मरकाम ने हर्ष एवं प्रसन्नता व्यक्त की है। मुख्यमंत्री की ओर से प्राप्त इस स्नेहिल पत्र ने उनके मन में अपनापन और आत्मीयता का भाव भर दिया। यशोदा मरकाम ने कहा कि आज हमर छत्तीसगढ़ के मुखिया, हमर मुख्यमंत्री विष्णु भैया के ओर ले 'विष्णु के पाती' मोला प्राप्त होइस। ए पाती ला पढ़के मोर मन बहुत खुश होइस। मुख्यमंत्री जी के ए स्नेह अउ अपनापन भरे संदेश ला पाकर मोला बहुत अच्छा लागिस। ए पत्र म मुख्यमंत्री जी के प्रदेश के जनता के प्रति स्नेह, सम्मान अउ जुड़ाव के भावना झलकथे। न्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का यह आत्मीय संदेश प्रदेशवासियों के साथ उनके गहरे जुड़ाव को दर्शाता है। यह पत्र केवल एक संदेश नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री की ओर से जनता के लिए स्नेह और शुभकामनाओं का प्रतीक है। ऐसे आत्मीय प्रयासों से आम नागरिकों को अपनेपन और सम्मान का अनुभव होता है।

शराब के नशे में विद्यालय पहुंचे प्रधानाध्यापक निलंबित, मेडिकल रिपोर्ट के बाद हुई कार्रवाई



कांकेर। कांकेर जिले के दुर्गूकोंदल ब्लॉक के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला मंगहूर में एक प्रधानाध्यापक को शासकीय कार्य अवधि के दौरान शराब के नशे की हालत में विद्यालय पहुंचने के मामले में निलंबित कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, 4 नवंबर को प्रधानाध्यापक के शराब के नशे की हालत में विद्यालय पहुंचने की शिकायत थाना प्रभारी बड़गांव से की गई थी। शिकायत के बाद उनका मेडिकल परीक्षण कराया गया और मामले में एफआईआर भी दर्ज की गई। सिविल हॉस्पिटल पखांजूर के चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी एमएलसी रिपोर्ट के अनुसार, शासकीय कार्य अवधि के दौरान अपरान्ह 3:45 बजे अशोक कुमार बेलसरिया शराब के नशे की हालत में पाए गए। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला शिक्षा अधिकारी कांकेर ने निलंबन की कार्रवाई के लिए प्रस्ताव भेजा था। इसके बाद संयुक्त संचालक, शिक्षा संभाग बस्तर, जगदलपुर ने प्रथम दृष्टया दोषी मानते हुए छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के नियम 9 के तहत उनके निलंबन का आदेश जारी किया। निलंबन अवधि के दौरान अशोक कुमार बेलसरिया का मुख्यालय कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी, नरहरपुर, जिला कांकेर निर्धारित किया गया है। वे सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा।

जिला मुख्य आयुक्त डॉ. जैन ने प्रतिभागियों को वितरित की किट

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाह। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही के 46 स्काउट, गाइड, रोवर एवं रेंजर आगामी 12 से 16 नवंबर तक पचमढ़ी में आयोजित एडवेंचर कैम्प में भाग लेंगे। प्रतिभागियों के साथ दो गाइडर एवं दो स्काउटर भी शिविर में शामिल होंगे। शिविर में सहभागिता की तैयारी के लिए भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के जिला मुख्य आयुक्त डॉ. नीरज वी. जैन ने सभी प्रतिभागियों को किट वितरित की।

किट में ट्रैक सूट, बैग, कैप एवं पानी की बोतल प्रदान की गई। इस अवसर पर उन्होंने कलेक्टर की ओर से प्रतिभागियों को शिविर में सफल सहभागिता के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। एडवेंचर कैम्प में भागीदारी से जिले के स्काउट, गाइड, रोवर एवं रेंजर को साहसिक गतिविधियों का अनुभव प्राप्त करने के साथ आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं समूह में कार्य करने के कौशल को विकसित करने का अवसर मिलेगा।

कलेक्टर ने जारी किया आदेश, प्रत्येक शनिवार को उपार्जन केंद्रों का भौतिक सत्यापन कर सौंपनी होगी रिपोर्ट

धान खरीदी केंद्रों की निगरानी के लिए 95 अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई

सारंगढ़-बिलाईगढ़। जिले में खरीफविपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत धान खरीदी व्यवस्था को सुचारू, पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाने के लिए जिला प्रशासन ने निगरानी व्यवस्था को मजबूत किया है। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने जिले के धान उपार्जन केंद्रों की सतत निगरानी एवं पर्यवेक्षण के लिए कुल 95 अधिकारियों को जिला स्तरीय जोनल अधिकारी नियुक्त किया है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग मंत्रालय, नवा रायपुर के निर्देशानुसार जारी आदेश में सारंगढ़, बरमकेला एवं बिलाईगढ़ क्षेत्र के विभिन्न धान उपार्जन केंद्रों के लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी निर्धारित की गई है। इसमें अपर कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, कृषि अधिकारी, खाद्य निरीक्षक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।नियुक्त जोनल अधिकारी अपने-अपने आवंटित धान उपार्जन केंद्रों की नियमित निगरानी करेंगे तथा खरीदी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता, घटतौली एवं अव्यवस्था की स्थिति पर नजर रखेंगे। इसके साथ ही धान खरीदी व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित कराने में आवश्यक समन्वय भी करेंगे। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि प्रत्येक शनिवार को संबंधित अधिकारी अपने आवंटित धान उपार्जन केंद्र का अनिवार्य रूप से भौतिक सत्यापन करेंगे तथा सत्यापन प्रतिवेदन कलेक्टर (खाद्य शाखा) कार्यालय में जमा करेंगे। वहीं, किसी अधिकारी का स्थानांतरण होने अथवा अन्य कारणों से पद रिक्त होने की स्थिति में उस पद पर पदस्थ अधिकारी की ड्यूटी स्वत: संबंधित धान उपार्जन केंद्र के लिए मानी जाएगी। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने धान खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए अधिकारियों को निर्धारित जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करने के निर्देश दिए हैं। जारी आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है।

प्रमुख जानकारी:

कुल 95 अधिकारियों की लगाई गई ड्यूटी।

जिले के विभिन्न धान उपार्जन केंद्रों की होगी निगरानी।

प्रत्येक शनिवार को अनिवार्य भौतिक सत्यापन।

सत्यापन रिपोर्ट कलेक्टर खाद्य शाखा में जमा करना अनिवार्य।

दृष्टि बाधित बच्चों को मिलेग साया दस लाख भवन निर्माण हेतु स्वीकृत

डॉ महन्त ने दिवाली पर विधानसभा क्षेत्र सकती 2 करोड़ 96 लाख के विकास कार्य की सौगात



सक्ती। नेता प्रतिपक्ष एवँ विधानसभा क्षेत्र सक्ती के विधायक डॉ चरण दास महन्त ने विधानसभा क्षेत्र में जनसम्पर्क के दौरान कॉग्रेसजनो बूथ मण्डल के कार्यकर्ताओं पंचायत प्रतिनिधियों एवँ आम जन के आग्रह पर विधायक निधि से दो करोड़ छेयानवे लाख की स्वीकृति प्रदान करते हुए हमर सकती को 74 कुल विकास कार्य स्वीकृति प्रदान की हैं उक्त सम्बंध में डॉ चरण दास महन्त के कलेक्टर कार्यालय के विधायक प्रतिनिधि एवँ जिला कॉग्रेस कमेटी के महामंत्री गिरधर जायसवाल ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र सकती के विधायक नेता प्रतिपक्ष ने कलेक्टर जिला सकती एवँ जांजगीर चाम्पा को वित्तीय वर्ष 2026 -27 के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना अंतर्गत विधायक निधि कार्य स्वीकृति किये जाने बाबत पत्र प्रेषित हैं जिसमे दृष्टि बाधित बच्चों हेतु भवन निर्माण 10 लाख रुपये सकरेली बा गतवा पालड़ी कला डेरागड सरवानी स रेडा सर्जुनी टेमर सकरेली खुर्द चमरा बरपाली मरकाम गोड़ी परसदा खुर्द लहंगा गड़गोड़ी खर्री पारा बेल्हाडीह नन्दौर खुर्द में छत दार चबूतरा निर्माण कार्य हेतु प्रत्येक ग्राम प्रधान को दो लाख पचास हजार ग्राम मसानिया खुर्द में आदिवासी समुदाय के मांग पर बुड़ादेव स्थल के पास चबूतरा तीन लाख रूपये उपकाचुवा नवापारा खुर्द रगजा भद्री पाली कुरदा पुटेकेला अचानक पुर बोकरा मुड़ा बैलाचुआ जोगरा पनारी किरारी नन्देली आमापाली बोरदा बगबुड़वा रैनखोल कंदनारा तुर्री लिमतरा सिघनसरा में प्रत्येक कार्य पांच लाख रुपये की मुक्ति धाम सह प्रतीक्षालय मोहगांव जून वानी नवापारा कला डोलनार घुइछुआ बोइरडीह में मंगल भवन निर्माण हेतु पांच लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान किया गया है विधानसभा क्षेत्र सक्ती के जांजगीर चाम्पा जिले के अंतर्गत आने वाले नगर पंचायत सारागांव में तीन नग छतदार चबूतरा जिसमें नवीन बाजार में आठ लाख सूर्यवंशी मुहल्ला में तीन लाख वार्ड नं1 में तीन लाख लच्छनपुर में छतदार चबूतरा छै लाख बालपुर अमझर कुम्हारी खुर्द रिसदा भगोडीह बहेरा डीह संजय ग्राम अफरीद कोसमन्दा में प्रत्येक ग्राम पंचायत में दो लाख पचास हजार रुपए। सोनिया पाठ छतदार चबूतरा तीन लाख सिवनी च महामाया मंदिर के पास चबूतरा तीन लाख रुपए एवँ पोडिखुर्द परसापाली झिका कड़ारी गीदौरी में मुक्ति धाम सह प्रतीक्षालय नवागांव गुर्दा एवं महुदा महादी में मां मंगल भवन निर्माण हेतु प्रत्येक कार्य हेतु 500000 स्वीकृत किया गया है ग्राम पंचायत झरना में श्रद्धा चबूतरा हेतु 300000 ग्राम पंचायत खामियां में सरदार चबूतरा हेतु 200000 एवं ग्राम पंचायत गहरीन मुंडा के आश्रित ग्राम जॉब में काली मंदिर के पास श्रद्धा चबूतरा हेतु 250000 रुपया शीघ्र स्वीकृति हेतु पत्र प्रेषित की गई है।

लगातार सक्ती को विकास की ओर अग्रसर

जनप्रतिनिधि ग्रामीण जनों ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र सकती हम सब के मांग पर लगातार सक्ती को विकास की ओर अग्रसर हैं डॉ चरण दास दास महन्त छोटे से छोटे कार्यकर्ताओं की बातों पर ध्यान देते हैं विकास कार्य सकती विधानसभा क्षेत्र अग्रणी हैं विधायक प्रतिनिधि गिरधर जायसवाल ने निर्माण एजेंसी सरपंच गणों से आग्रह किया है कि कार्य प्रारंभ पर बूथ कमेटी मडल कमेटी पंचायत कमेटी कॉग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों एवँ जनप्रतिनिधियो को आवश्यक रूप से आमंत्रित करने की बात कही

संपादकीय

पर्यावरण की बात पर सियासत

सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों का दायित्व है कि वे समाज में जागरूकता फैलाने वाले संदेशों को प्रोत्साहित करें, न कि उन्हें नाहक ही विवाद का विषय बनाएं। कोई भी त्योहार उत्साह, प्रेम, सद्भाव और सकारात्मकता का संदेश देता है। भारत में सभी धर्मों के उत्सवों का सम्मान करने की परंपरा रही है। साथ ही इस बात का खयाल रखने पर भी जोर दिया जाता रहा है कि खुशियों की अभिव्यक्ति में पर्यावरण को नुकसान न हो।ऐसे में अभिनेत्री दीया मिर्जा के पर्यावरण अनुकूल दिवाली मनाने के वीडियो संदेश को सांप्रदायिकता से जोड़कर नाहक ही विवाद खड़ा करने के प्रयासों को किसी भी सूरत में उचित नहीं ठहराया जा सकता। पर्यावरण संरक्षण किसी धर्म, जाति या समुदाय का विषय नहीं, बल्कि पूरी मानवता की साझा जिम्मेदारी है।वैसे भी दीया मिर्जा का यह संदेश बृहन्मुंबई महानगरपालिका के अभियान का हिस्सा था, जिसे बाद में राजनीतिक दबाव के कारण हटा दिया गया। मगर बंबई उच्च न्यायालय ने इस वीडियो संदेश को न केवल फिर से जारी करने का निर्देश दिया, बल्कि इस विवाद पर गंभीर चिंता भी जाहिर की। दरअसल, यह विवाद सार्वजनिक बहस के उस रूप को दर्शाता है, जहां हर चीज को उसके मूल उद्देश्य के बजाय धर्म और राजनीतिक नफा-नुकसान के तराजू में तौला जाता है। बड़ा प्रश्न यह है कि क्या प्रदूषण केवल किसी एक समुदाय को प्रभावित करता है?क्या स्वच्छ हवा का भी कोई धर्म होता है? इस मामले में अदालत का हस्तक्षेप केवल एक वीडियो संदेश की बहाली नहीं, बल्कि सार्वजनिक विवेक की पुनर्स्थापना का प्रयास भी है। राजनेताओं और धार्मिक संगठनों को यह समझना होगा कि हर मुद्दे को सांस्कृतिक संघर्ष में बदल देना सियासी लाभ का आसान रास्ता भले लगे, लेकिन वास्तव में इससे सामाजिक विश्वास और सद्भाव ही कमजोर होता है।दिवाली के दौरान पटाखों के अत्यधिक इस्तेमाल से वायु और ध्वनि प्रदूषण की समस्या गंभीर हो जाती है और इस मसले पर सर्वोच्च न्यायालय की ओर से भी दिशा-निर्देश दिए गए हैं। ऐसे में पर्यावरण के प्रति सजगता और लोगों से जिम्मेदारी के साथ त्योहार मनाने की अपील करना एक सकारात्मक पहल है। सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों का दायित्व है कि वे समाज में जागरूकता फैलाने वाले संदेशों को प्रोत्साहित करें, न कि उन्हें नाहक ही विवाद का विषय बनाएं।

दीपावली विशेष...

'मिट्टी के दीपों का अस्तित्व बचाना जरूरी...

दीपावली पर्व के नजदीक आते ही त्यौहार की रौनक बनाए रखने के लिए हर परिवार साज सजावट में जुट जाता है । जैसा कि नाम से ही प्रतीत होता है कि दीपावली का पर्व दीपों का त्यौहार है । तब सबसे जरूरी चीज दीया अपना महत्व प्रकट करता महसूस किया जाता है । मिट्टी का दीया और उसे आकार देकर तैयार करने वाला कुम्हार परिवार हमारी सदियों पुरानी संस्कृति, परंपरा और कला के प्रतीक माने जाते रहे हैं । हम जिन दीपों को रोशन कर त्यौहार की खुशियां मनाते हैं , उन दीपों को बनाने में कुम्हार परिवार का हर सदस्य कड़ी मेहनत करता है । दीपों को आकार देना और आम जनता की जरूरत के हिसाब से लाखों - करोड़ों दीपों को रोशनी के लिए तैयार करना , आसान काम नहीं है । खुद कुम्हार परिवार के सदस्य बताते हैं कि दीवाली से लगभग तीन माह पूर्व वे इस निर्माण कार्य में जुट जाते हैं । नदी किनारे की चिकनी और पवित्र मिट्टी को लाकर सबसे पहले उसे छाना जाता है । पानी में भिगोकर उसे इस तरह गूंथा जाता है , कि वह मुलायम हो सके और दीपों को आकार देने पर फटने की स्थिति में न हो । मिट्टी तैयार होने के बाद उसे चाक पर चढ़ाकर दीप बनाए जाते हैं । तैयार दीपों को पहले धूप में सुखाया जाता है । फिर आग की भट्टी जिसे ÷ आवा % कहा जाता है, उसमें पकाकर मजबूती प्रदान की जाती है । बाजार में ग्राहकों द्वारा पसंदगी को ध्यान में रखकर पूर्ण रूप से पके दीपों को आकर्षक रंग से रंगा जाता है । हम देख रहे हैं कि देश के अलग-अलग हिस्सों में प्रायः नदी किनारे अपना रैन बसेरा बनाकर कुम्हार परिवार दीपावली की तैयारी में जुटे रहते हैं ।

प्रत्येक दीपावली पर जब मिट्टी के दीए पूरे भारतवर्ष में घर - आंगन और पूजा स्थलों को प्रकाशित करते हैं , तो हमेशा जिंदा रहने वाली परंपरा जाग उठती है । यही परंपरा रोशनी को उम्मीद से , भक्ति को कारीगरी से और पीढ़ियों को उनकी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़े रखती है । हमारा दीपों का पर्व दीपावली हमारी संस्कृति और आध्यात्मिक जीवन में खास स्थान रखता है । हम जानते हैं दीपों को प्रज्वलित करना अंधेरे पर रोशनी का राज करना होता है । यही अज्ञान पर ज्ञान और निराशा पर उम्मीद की किरण का जीता जागता प्रतीक माना जाता है । पीढ़ियों से लगभग हर हिंदू परिवार अपने मुख्य द्वारों पर , खिड़कियों पर , आंगनों पर और पूजा स्थल पर मिट्टी के दीयों की कतारें सजाता आ रहा है । पवित्र मिट्टी , शुद्ध जल और मानवीय हाथों के हुनर से बना पारंपरिक दीया अपने सामान्य स्वरूप से कहीं अधिक महत्व रखता है । एक दीया जब मिट्टी से होकर अपने अस्तित्व में आता है , तब मिट्टी से लेकर कारीगरी के बीच का यह रिश्ता भारतवर्ष के पारंपरिक ज्ञान का एहसास कराता है । एक मिट्टी के दिए को साधारण मान लेना हमारी नासमझी हो सकती है । कारण यह की मिट्टी के दीए का महत्व सिर्फ उसमें मौजूद लौ में ही नहीं बल्कि वह परंपराओं को जीवित रखने वाला कुम्हार का सृजन भी है । यही वह चीज है जो दीवाली का प्रतीक , कुम्हार की कला और समुदायों तथा उनके सांस्कृतिक रीति-रिवाज के बीच हमेशा रहने वाले रिश्ते को एक साथ पिरोकर सुंदर संदेश देता प्रतीत होता है । जब हम अपनी दीपावली को रोशन करने के लिए मिट्टी का दीया खरीदते हैं तब हमें एहसास होता है कि ये दीए रोशन होकर जीती जागती विरासत की कहानी अगली पीढ़ी को सुना रहे हैं।

दीपावली का पर्व कुंभकार परिवारों के लिए केवल धार्मिक महत्व ही नहीं रखता , वरन यह उनकी आजीविका का मुख्य हिस्सा भी है । वर्षभर मिट्टी के बर्तन और अन्य सामान बनाने वाले कारीगरों को दीपावली के अवसर पर दीयों की बिक्री से अच्छी आमदनी की उम्मीद हुआ करती है । दीपों के साथ अन्य सामग्री बनाना कुंभकारों की पारंपरिक कला रही है । समय के साथ दीपावली मनाने के तौर - तरीकों में बदलाव आया है । बाजार में बिजली की झालर , रंग बिरंगी लाइट , मोमबत्ती और आकर्षक सजावटी सामान अब आसानी से उपलब्ध हो रहे हैं । बावजूद इन सब के मिट्टी के दीयों का महत्व कम नहीं हुआ है । दीपावली पर मिट्टी के दीपों को प्रज्ज्वलित करना सबसे शुभ माना जाता है । धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भी पूजा - अर्चना में मिट्टी के दीपों को ही प्रज्ज्वलित करने का नियम बताया गया है । मिट्टी के दीए पर्यावरण के दृष्टिकोण से भी बेहतरीन विकल्प के रूप में सामने आते रहे हैं । कारण यह की उपयोग के बाद मिट्टी के दीए आसानी से मिट्टी में मिल जाते हैं । दूसरा बड़ा संदेश इस संदर्भ में यह भी है कि कुम्हार कारीगरों द्वारा बनाए गए मिट्टी के दीपों को खरीद कर हम उनके पारंपरिक कारोबार को सहारा दे सकते हैं । यदि गंभीरता पूर्वक विचार किया जाए तो दीपावली पर मिट्टी के दीपों का उपयोग केवल परंपरा निभाने तक सीमित नहीं है , बल्कि इससे स्थानीय हस्तकला और छोटे कारोबार को प्रोत्साहन मिलता है।

कुंभकार परिवारों के सामने सबसे बड़ी चुनौती दीपों के निर्माण में लगने वाली लागत और उसकी बिक्री से होने वाली आमदनी के बीच संतुलन बनाए रखने की होती है । मिट्टी जुटाने से लेकर उसे दीपों के उत्तम निर्माण हेतु तैयार करने तक तथा दीप बनाने , सूखाने और पकाने में श्रम के अलग-अलग संसाधनों की जरूरत पड़ती है । इन सब के बाद यदि तैयार दीपों का बाजार उचित कीमत नहीं दे पता है , तो कारीगरों की मेहनत बेकार होने के साथ ही लाभ न मिलने से कारीगर परिवारों का हौसला टूट जाता है । मिट्टी के दीपों को बनाना केवल व्यावसायिक नजरों से नहीं देखा जाना चाहिए । यह पारंपरिक कला और संस्कृति का बड़ा हिस्सा माना जाना चाहिए । अत्याधुनिक मशीनों और नए सजावटी उत्पादों के दौर में इस कला को बनाए रखने के लिए कारीगरों की चुनौतियों को यदि कोई सफलता के रूप में उन्हें प्रदान कर सकता है , तो वह केवल ग्राहकों की दीपों के प्रति खरीदारी ही मानी जा सकती है । स्थानीय बाजारों में मिट्टी के दीपों को अन्य प्रकार के दीपों के आगे प्राथमिकता में रखते हुए खरीदारी करना प्रत्येक हिंदू को अपना कर्तव्य समझना चाहिए । दीपावली का संदेश अंधकार से प्रकाश की ओर कदम बढ़ाने का ही है । इस संदेश को साकार करने में मिट्टी के दीए बनाने वाले कुंभकारों की मेहनत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती आ रही है । कुंभकार परिवार के हर सदस्य की निगाह दीपावली के बाजार पर टिकी होती है । उनकी उम्मीद को फलीभूत करने हर हिंदू धर्मावलंबी को बिना किसी मोलभाव के मिट्टी के दीपों की खरीदी से पीछे नहीं रहना चाहिए ।

रोशनी का त्योहार दीपावली भले ही रंगीन सतरंगी बल्बों से शहर की अट्टालिकाओं को रोशनी से चकाचौंध क्यों न कर रही हो , किंतु यह आस्था के प्रतीक नहीं माने जा सकते हैं । मां लक्ष्मी , गणेश और कुबेर जी के समक्ष प्रज्ज्वलित किए गए मिट्टी के दीपों में छलकने वाली आस्था का मुकाबला न तो रंग-बिरंगे बल्ब कर सकते हैं और न ही मोमबत्ती तथा आधुनिक उत्पादन के रूप में मेटल के दीप । तेल के माध्यम से प्रज्ज्वलित मिट्टी के दीए की मद्धम रोशनी परंपरा को जीवित रखते हुए ÷ तमसो मा ज्योतिर्गमय ÷ का संदेश प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाती प्रतीत होती है । मिट्टी का दीपक बनाने वाले कुम्हार परिवारों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ÷ लोकल फॉर वो ÷ एवं आत्मनिर्भर भारत अभियान ऊर्जा प्रदान करता दिखाई पड़ता है । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवाहन के साथ ही प्रत्येक भारतवासी को भी यह प्रण लेने की जरूरत है , कि उनके द्वारा अपने घर - द्वारों को मिट्टी के दीपों से ही प्रकाशित किया जाएगा । इस तरह का प्रण जहां पर्यावरण को मजबूती प्रदान करेगा , वहीं कुम्हार परिवारों के घरों में भी उम्मीद की रोशनी खुशियों का संचार कर सकेगी ।



डॉ सूर्यकांत मिश्रा
राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)
9425559291.

दिवाली पर पुरानी लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति प्रयोग करनी चाहिए या नहीं?

(ज्योति साह)

दिवाली की पूजा में पुरानी लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमा दोबारा प्रयोग कर सकते हैं या नहीं, इसे लेकर शास्त्रों में क्या नियम बताए गए हैं और मूर्ति कब विसर्जित करें? अगर दिवाली पूजन को लेकर आपके मन में इस प्रकार के प्रश्न आ रहे हैं, तो जानें भगवान की मिट्टी और धातु की प्रतिमा को दोबारा प्रयोग करने के नियम।

दिवाली पूजन में आमतौर पर लक्ष्मी-गणेश की नई मूर्ति खरीदकर प्राण प्रतिष्ठा करके पूजा की जाती है। लेकिन कई बार पुरानी मूर्ति को विसर्जित करने का मन नहीं होता है और हम उसे पूजा में प्रयोग करना चाहते हैं। ऐसे में यह दुविधा मन में बनी रहती है कि पुरानी मूर्ति को दिवाली पूजा में प्रयोग कर सकते हैं या नहीं, इसे लेकर शास्त्रों में क्या विधान बताया गया है? इस विषय में पंडित राकेश झा कहते हैं कि कुछ परिस्थितियों में पुरानी भगवान की मूर्ति को दोबारा प्रयोग कर सकते हैं, लेकिन कुछ परिस्थितियों में उन्हें विसर्जित ही करना पड़ता है। दिवाली पर भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की धातु तथा मिट्टी से बनी मूर्ति को दोबारा प्रयोग करने के क्या नियम और विधान है। साथ ही, लक्ष्मी-गणेश की पुरानी प्रतिमा को कब विसर्जित करना चाहिए। दिवाली पर लक्ष्मी-गणेश की पुरानी मूर्ति प्रयोग करने के नियम यह है।

मां लक्ष्मी और गणेशजी की चांदी की मूर्ति : अगर आपके पास भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की चांदी की प्रतिमा रखी है, तो उसे ही दिवाली पर भी आप प्रयोग कर सकते हैं। लेकिन इस दौरान विशेष नियम का ख्याल जरूर रखें। पूजन से पहले भगवान की प्रतिमा को अच्छी तरह गंगाजल से स्वच्छ जरूर कर लें। इसके बाद, दिवाली पूजन में लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमा स्थापित करें। यदि आप चाहें तो, दिवाली पर मिट्टी की मूर्ति भी ला सकते हैं और उसे दिवाली पूजन में रखें। फिर, अगली दिवाली से पहले उनका विसर्जन करें। लक्ष्मी-गणेश की चांदी की प्रतिमा को पूजा घर में ही स्थापित रखकर पूजा कर सकते हैं।

लक्ष्मी-गणेश की पीतल की मूर्ति : जिस प्रकार चांदी की मूर्ति को दिवाली की पूजा में प्रयोग कर सकते हैं, उसी प्रकार लक्ष्मी-गणेश की पीतल की प्रतिमा को भी गंगाजल से स्नान कराकर दिवाली पूजन में स्थापित किया जा सकता है। उन्हें नए वस्त्र आदि अर्पित करके विधि-विधान से पूजा करें। पंडित राकेश झा बताते हैं कि धातु की मूर्ति को स्वच्छ करके दोबारा पूजा में प्रयोग किया जा सकता है, जब तक की वो खंडित न हो। खंडित होने पर ही धातु की मूर्ति को विसर्जित किया जाता है। दिवाली पूजन के बाद आप दोबारा लक्ष्मी माता और गणेशजी की मूर्ति को पूजा घर में स्थापित कर सकते हैं।

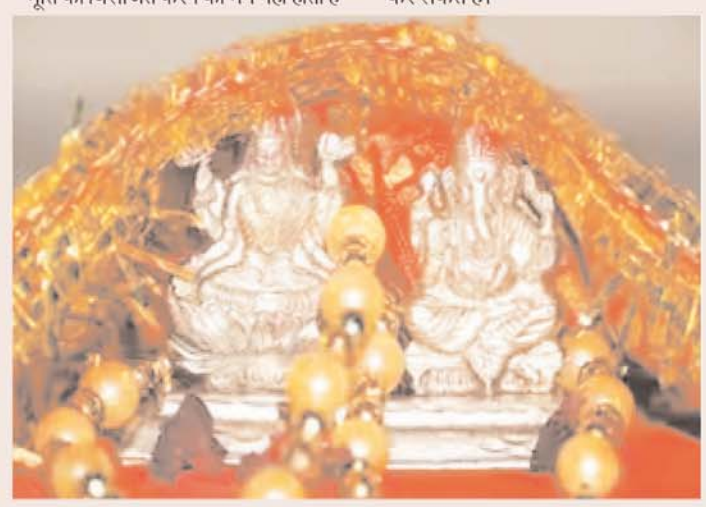

माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की मिट्टी की मूर्ति : आमतौर पर दिवाली पूजा में भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की नई मूर्ति खरीदकर प्राण प्रतिष्ठा करके पूजा करने की परंपरा चली आ रही है। लेकिन कई बार ऐसा होता है कोई मूर्ति अपने पास रखने के बाद, उन्हें विसर्जित करने की इच्छा नहीं होती और मोह आने लगता है। ऐसे में मन में यह दुविधा आने लगती है कि पुरानी मूर्ति का प्रयोग दोबारा किया जा सकता है और इसके बारे में शास्त्रों में क्या बताया गया है? इसे लेकर पंडित राकेश झा कहते हैं कि अगर पुरानी मूर्ति कांतिहीन हो यानी जिसकी आभा समाप्त हो गई हो उसे विसर्जित कर देना चाहिए। ऐसी प्रतिमा का प्रयोग करना शुभ नहीं माना जाता है। लेकिन अगर मूर्ति सही और उसकी आभा न खत्म हुई हो, तो उसे दोबारा रंगवाकर व पॉलिश करके प्रयोग कर सकते हैं। लेकिन उसके साथ छोटी सी लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति भी जरूर रखें।

पुरानी लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति को कब विसर्जित करना चाहिए? : अगर आप पर धातु की मूर्ति है, तो दिवाली के दिन एक छोटी मिट्टी की लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति जरूर खरीदें। दिवाली पूजन में विधि-विधान से उनकी पूजा करें। फिर, पूरे अगले साल दिवाली पूजा के बाद ही उस मूर्ति को विसर्जित करना चाहिए। कभी भी दिवाली से पहले लक्ष्मी-गणेश की मिट्टी की मूर्ति को विसर्जित नहीं करना चाहिए। उसे अपने पूजा घर में सालभर जरूर रखें।

कैशलेस अर्थव्यवस्था की हकीकत, डिजिटल भुगतान के दौर में भी कायम है नकदी पर भरोसा

दुनिया भर में नकद भुगतान की हिस्सेदारी अलग-अलग है। अधिकांश विकासशील देशों में लोग लगभग पूरी तरह से नकद मुद्रा पर निर्भर हैं, जबकि नॉर्डिक और डिजिटल-फर्स्ट अर्थव्यवस्थाओं में यह फीसद ज्यादातर एक अंक में है। स्वीडन और नॉर्वे में नकदी का इस्तेमाल दुनिया में सबसे कम है। थाईलैंड, ग्रीस, मेक्सिको, इटली और वियतनाम जैसे देशों में पर्यटन एवं सेवा क्षेत्र में नकदी का इस्तेमाल अभी भी आम है। यह खासतौर पर यात्रा के दौरान छोटे-मोटे खर्चों के मामले में देखा जा सकता है।

(मनीष कुमार चौधरी)

भले ही डिजिटल माध्यम से भुगतान मुख्य रूप से रोजमर्रा के लेन-देन के लिए नकद पैसे की जगह ले रहा है, लेकिन यह उन सभी वजहों को खत्म नहीं करता, जिनके कारण लोग भौतिक रूप में पैसा रखना चाहते हैं। ज्यादातर लोगों के लिए आज भी नकद पैसा अनिश्चितता के समय के लिए एक सुरक्षा कवच की तरह है। देश में डिजिटल भुगतान प्रणाली बड़ा बदलाव लेकर आई है। इससे नकद लेन-देन भले ही कम हुआ है, लेकिन देश की अर्थव्यवस्था का पूरी तरह नकद रहित होना शायद अभी संभव नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि नकद पैसे का मकसद भी अब बदल रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, देश में यूपीआइ के जरिए प्रतिदिन औसतन 66 करोड़ रुपए का लेन-देन होता है। इस वर्ष मार्च में 2,264 करोड़ रुपए के लेन-देन का उच्चतम स्तर दर्ज किया गया। वित्त वर्ष 2025-26 में डिजिटल माध्यम से 24,161.7 करोड़ रुपए से अधिक का भुगतान हुआ। देश के कुल 'डिजिटल रिटेल पेमेंट वॉल्यूम' में यूपीआइ की हिस्सेदारी लगभग 85 फीसद है। इसके बावजूद नकद लेन-देन अर्थव्यवस्था में अपनी पैठ बनाए हुए है। आखिर क्या वजह है कि ऑनलाइन भुगतान के प्रति रुझान बढ़ने के साथ-साथ नकदी का महत्त्व बना हुआ है?

भले ही डिजिटल माध्यम से भुगतान मुख्य रूप से रोजमर्रा के लेन-देन के लिए नकद पैसे की जगह ले रहा है, लेकिन यह उन सभी वजहों को खत्म नहीं करता, जिनके कारण लोग भौतिक रूप में पैसा रखना चाहते हैं। ज्यादातर लोगों के लिए आज भी नकद पैसा अनिश्चितता के समय के लिए एक सुरक्षा कवच की तरह है। बिजली जाने, नेटवर्क ध्वस्त होने, साइबर ठगी या डिजिटल भुगतान प्रणाली में खराबी आने पर पैसों का लेन-देन भी रुक जाता है। जबकि नकद पैसे के लिए किसी स्मार्टफोन, पासवर्ड, बैटरी या इंटरनेट की जरूरत नहीं होती।

इसका एक व्यापक सामाजिक पहलू भी है। बुजुर्गों, गरीब परिवारों, छोटे व्यापारियों और इंटरनेट की कम पहुंच वाले इलाकों में रहने वाले लोगों से यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वे पूरी तरह से स्मार्टफोन और बैंक खाते पर आधारित अर्थव्यवस्था में शामिल हो पाएंगे। नकद पैसा कुछ हद तक सुरक्षा और निजता के पहलू से भी जुड़ा है। लोग इस बात को भी समझने लगे हैं कि हर भुगतान डिजिटल तरीके से करने पर सुविधा और निगरानी साथ-साथ चल सकते हैं। दुनिया भर में नकद भुगतान की हिस्सेदारी अलग-अलग है। अधिकांश विकासशील देशों में लोग लगभग पूरी तरह से नकद मुद्रा पर निर्भर हैं, जबकि नॉर्डिक और डिजिटल-फर्स्ट अर्थव्यवस्थाओं में यह फीसद ज्यादातर एक अंक में है। स्वीडन और नॉर्वे में नकदी का इस्तेमाल दुनिया में सबसे कम है। थाईलैंड, ग्रीस, मेक्सिको, इटली और वियतनाम जैसे देशों में पर्यटन एवं सेवा क्षेत्र में नकदी का इस्तेमाल अभी भी आम है। यह खासतौर पर यात्रा के दौरान छोटे-मोटे खर्चों के मामले में देखा जा सकता है। जैसे टैक्सी का किराया, पर्यटन शुल्क, बीच पर खरीदारी, किराने की दुकान और रेस्तरां में भुगतान इत्यादि, जहां अक्सर नकदी ही सबसे सुविधाजनक या एकमात्र भुगतान का तरीका होता है।



विश्व के कुछ अन्य विकसित देशों की बात करें, तो जापान में नकद लेन-देन 42 फीसद, जबकि जर्मनी जैसे देश में 45 फीसद तक होता है। अमेरिका में यह लगभग 14 फीसद, तो ब्रिटेन में 8-9 फीसद तक होता है। वहीं, चीन में मात्र 5 से 9 फीसद लोग ही नकद लेन-देन करते हैं। विकासशील और छोटे देशों की बात की जाए, तो इनमें से कुछ में नकद लेन-देन 90-95 फीसद तक होता है। इनमें नेपाल, पाकिस्तान, लेबनान, म्यांमा, जाम्बिया, इथियोपिया और लाओस जैसे देश शामिल हैं। ऑस्ट्रिया, फिनलैंड, स्वीडन और नीदरलैंड की सरकारों ने तो अपने नागरिकों को सलाह दी है कि वे घर पर कुछ नकदी अवश्य रखें, ताकि बिजली आपूर्ति ठप होने, साइबर हमले या युद्ध जैसी स्थितियों में उन्हें किसी तरह की परेशानी से न जूझना पड़े। भारत की नकद पैसे पर निर्भरता का एक नकारात्मक पहलू भी है। इससे एक बड़ी अनौपचारिक अर्थव्यवस्था पूरी तरह से वित्तीय पारदर्शिता के दायरे से बाहर काम करती है। संपत्ति की खरीद-फरोख्त इसका एक प्रमुख उदाहरण है, जहां सरकारी मूल्यांकन यानी सर्कल रेट और असल बाजार कीमत के बीच का अंतर नकद भुगतान को बढ़ावा देता है। इससे जाहिर होता है कि नोटबंदी जैसे बड़े कदम के जरिए मौजूदा मुद्रा के भंडार को खत्म करने से ही वे आर्थिक कारण खत्म नहीं हो सकते, जो बिना रिकॉर्ड वाले भुगतान को जन्म देते हैं। इसलिए डिजिटल माध्यमों से भुगतान के बढ़ते इस्तेमाल को देश के नकद ढांचे को खत्म करने की वजह मानना सही नहीं होगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) को अभी भी नोट छापने वाली मशीनों, मुद्रा बांटने वाले तंत्र, एटीएम और नोटों के पर्याप्त रिजर्व की जरूरत है।

किसी भी अर्थव्यवस्था की मजबूती कुछ हद तक इस बात पर निर्भर करती है कि जब उसकी मुख्य प्रणाली काम करना बंद कर दे, तो उसके पास कोई वैकल्पिक व्यवस्था मौजूद हो। यूपीआइ ने भारत में लोगों के भुगतान करने के तरीके को जरूर बदला है, लेकिन अनिश्चित स्थिति के लिए नकद बचाकर रखने की मानवीय प्रवृत्ति को नहीं बदला है। इसलिए देश के डिजिटल बदलाव की असली परीक्षा यह नहीं है कि नकद लेन-देन खत्म हो जाए, बल्कि यह है कि क्या नागरिक बिना किसी प्रणाली के कमजोर पड़ने पर डिजिटल और नकद पैसे के बीच चुनाव कर सकते हैं। वर्ष 2016 की नोटबंदी ने देश की कुल नकद मुद्रा का 86 फीसद हिस्सा बेकार कर दिया था। कहा जा रहा था कि नोटबंदी से कालाधन बाहर आएगा, लेकिन औपचारिक तौर पर ऐसा कुछ होता हुआ नहीं दिखा। कुछ ही समय में यह सारा पैसा वापस वित्त व्यवस्था में लौट आया था। ऐसे में नोटबंदी के उद्देश्य को समझ पाना आम आदमी के लिए मुश्किल है।



दिवाली पर लक्ष्मी पूजा का सबसे सटीक शुभ मुहूर्त

साल 2026 में दीपावली (लक्ष्मी पूजन) का मुख्य पर्व 8 नवंबर 2026, रविवार को मनाया जाएगा। हिंदू पंचांग के अनुसार, दिवाली कार्तिक माह की अमावस्या तिथि को मनाई जाती है। शास्त्रों के अनुसार, दिवाली के दिन माता लक्ष्मी की पूजा प्रदोष काल और निशिथ काल में की जाती है। जिस दिन अमावस्या तिथि इन दोनों कालों में व्याप्त होती है, उसी दिन दीपावली पूजन का विधान है।

अमावस्या तिथि की समय-सीमा

अमावस्या तिथि प्रारंभ: 8 नवंबर 2026, सुबह 11:27 बजे से
अमावस्या तिथि समाप्त: 9 नवंबर 2026, दोपहर 12:31 बजे तक
लक्ष्मी पूजन के मुख्य मुहूर्त (8 नवंबर 2026):
अभिजीत मुहूर्त सुबह : 11:43 से दोपहर 12:26 बजे तक
विजय मुहूर्त दोपहर : 01:54 से 02:37 बजे तक
गोधूलि मुहूर्त शाम : 05:31 से 05:57 बजे तक
लक्ष्मी पूजा मुहूर्त : शाम 05:54 से 07:50 बजे तक
प्रदोषकाल मुहूर्त : शाम 05:31 से रात्रि 08:09 तक।
निशिथ काल मुहूर्त : रात 11:39 से मध्यरात्रि 12:31 बजे तक
प्रदोष काल गृहस्थों के लिए महालक्ष्मी पूजन का यह सबसे उत्तम और स्थिर लग्न मुहूर्त है। निशिथ काल मुहूर्त तांत्रिक पूजा, काली पूजा और महानिशा पूजा के लिए यह समय उपयुक्त है।

दीपावली का आध्यात्मिक महत्व

दीपावली का वास्तविक संदेश अपने अंतर्मन को सद्गुणों से प्रकाशित करना है। घरों में प्रदीप्त हो रही दीपक की छोटी-सी लौ यह स्मरण कराती है कि अंधकार कितना भी गहरा क्यों न हो, प्रकाश की एक किरण उसे दूर करने का सामर्थ्य रखती है। इसी प्रकार जीवन में सत्य, विवेक और सदाचार का अनुसरण करके अज्ञान, ईर्ष्या, क्रोध और अहंकार जैसे दोषों पर विजय प्राप्त की जा सकती है। सनातन की दिव्य परंपरा में दीपावली को धर्म, शुभता और नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इस त्यौहार पर लोग अपने घरों की सफाई करते हैं, मंदिरों को सजाते हैं, दीप प्रज्वलित करते हैं और आराध्य देवी-देवताओं का स्मरण करते हैं। यह अवसर परिवार के सदस्यों के साथ प्रेम बाँटने, पुराने मतभेद दूर करने और संबंधों में मधुरता लाने की प्रेरणा भी देता है।



जीवन में नई आशा और मंगल का संदेश लेकर आता है दीपावली का पर्व

दीपावली के अवसर पर जानिए दिवाली पूजा की सबसे सरल विधि और यह भी जानिए कि पूजन के समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। इस बार दीवाली का त्योहार 8 नवंबर को मनाया जाएगा।

दिवाली की सबसे सरल पूजा विधि

- ईशान कोण या उत्तर दीशा में साफ सफाई करके स्वास्तिक बनाएं। उसके उपर चावल की ढेरी रखें। अब उसके उपर लकड़ी का पाट बिछाएं। पाट के उपर लाल कपड़ा बिछाएं और उस पर माता लक्ष्मी की मूर्ति या तस्वीर रखें। तस्वीर में गणेश और कुबेर की तस्वीर भी हो। माता के दाएं और बाएं सफेद हाथी के चित्र भी होना चाहिए।
- पूजन के समय पंचदेव की स्थापना जरूर करें। सूर्यदेव, श्रीगणेश, दुर्गा, शिव और विष्णु को पंचदेव कहा गया है। इसके बाद धूप-दीप चलाएं। सभी मूर्ति और तस्वीरों को जल छिड़ककर पवित्र करें।
- अब खुद कुश के आसन पर बैठकर माता लक्ष्मी की षोडशोपचार पूजा करें। अर्थात 16 क्रियाओं से पूजा करें। पाद्य, अर्घ्य, आचमन, स्नान, वस्त्र, आभूषण, गंध, पुष्प, धूप, दीप, नैवैद्य, आचमन, ताम्बुल, स्तवपाठ, तर्पण और नमस्कार। पूजन के अंत में सांगता सिद्धि के लिए दक्षिणा भी चढ़ाना चाहिए।
- माता लक्ष्मी सहित सभी के मस्तक पर हलदी कुंकू, चंदन और चावल लगाएं। फिर उन्हें हार और फूल चढ़ाएं। पूजन में अनामिका अंगुली (छोटी अंगुली के पास वाली यानी रिंग फिंगर) से गंध (चंदन, कुमकुम, अबीर, गुलाल, हल्दी आदि) लगाना चाहिए। इसी तरह उपरोक्त षोडशोपचार की सभी सामग्री से पूजा करें। पूजा करते वक्त उनके मंत्र का जाप करें।
ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः।
ॐ महालक्ष्म्यै नमो नमः धनप्रदायै नमो नमः ऊँ विश्वजनन्यै नमो नमः।
- पूजा करने के बाद प्रसाद या नैवेद्य (भोग) चढ़ाएं। ध्यान रखें कि नमक, मिर्च और तेल का प्रयोग नैवेद्य में नहीं किया जाता है। प्रत्येक पकवान पर तुलसी का एक पत्ता रखा जाता है। इस दिन लक्ष्मीजी को मखाना, सिंघाड़ा, बताशे, ईख, हलुआ, खीर, अनार, पान, सफेद और पीले रंग के मिष्ठान्न, केसर-भात आदि अर्पित किए जाते हैं। पूजन के दौरान 16 प्रकार की गुजिया, पपड़ियां, अनर्सा, लड्डू भी चढ़ाएं जाते हैं। आह्वान में पुलहरा चढ़ाया जाता है। इसके बाद चावल, बादाम, पिस्ता, छुआरा, हल्दी, सुपारी, गेंहू, नारियल अर्पित करते हैं। केवड़े के फूल और आम्रबेल का भोग अर्पित करते हैं।
- पूजा करने के बाद अंत में खड़े होकर उनकी आरती करके नैवेद्य चढ़ाकर पूजा का समापन किया जाता है। पूजा के बाद कपूर आरती जरूर करें। कर्पूर गौरम करुणा का श्लोक बोलें। आरती को सबसे पहले उसे अपने आराध्य के चरणों की तरफ चार बार, इसके बाद नाभि की तरफ दो बार और अंत में एक बार मुख की तरफ घुमाएं। ऐसा कुल सात बार करें। आरती करने के बाद उस पर से जल फेर दें और प्रसाद स्वरूप सभी लोगों पर छिड़कें।
- मुख्य पूजा के बाद अब मुख्य द्वार या आंगन में दीये जलाएं। एक दीया यम के नाम का भी जलाएं। रात्रि में घर के सभी कोने में भी दीए जलाएं।
- पूजा और आरती के बाद ही किसी से मिलने जाएं, मिठाई बांटे या पटाखें फोड़े।
- घर में या मंदिर में जब भी कोई विशेष पूजा करें तो अपने इष्टदेव के साथ ही स्वस्तिक, कलश, नवग्रह देवता, पंच लोकपाल, षोडश मातृका, सप्त मातृका का पूजन भी किया जाता। लेकिन विस्तृत पूजा तो पंडित ही करता है अत: आप ऑनलाइन भी किसी पंडित की मदद से विशेष पूजा कर सकते हैं। विशेष पूजन पंडित की मदद से ही करवाने चाहिए, ताकि पूजा विधिवत हो सके।

दिवाली का ज्योतिषीय महत्व

हिंदू धर्म के प्रत्येक त्यौहार की तरह दिवाली का भी अपना ज्योतिषीय महत्व है। ऐसी मान्यता है कि अनेक पर्व और त्यौहारों पर बनने वाली ग्रहों की दशा एवं विशेष योग मानव समाज के लिए फलदायी होते हैं। दिवाली का समय हिन्दुओं द्वारा किसी भी नए कार्य के शुभारंभ और किसी वस्तु को खरीदने के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। इसका भी अपना ज्योतिषीय कारण है। दीपावली के समय तुला राशि में सूर्य और चंद्रमा स्वाति नक्षत्र में स्थित होते हैं।
वैदिक ज्योतिष के अनुसार सूर्य और चंद्रमा की स्थिति किसी भी व्यक्ति को शुभ फल देने वाली होती है। तुला राशि एक संतुलित भाव वाली राशि है जो न्याय और निष्पक्षता का प्रतिनिधित्व करती है। तुला राशि के स्वामी शुक्र सौहार्द, भाईचारे, सद्भाव और सम्मान का कारक हैं। इन्ही गुणों के कारण सूर्य और चंद्रमा का तुला राशि में स्थित होना शुभ संयोग का निर्माण करता है।



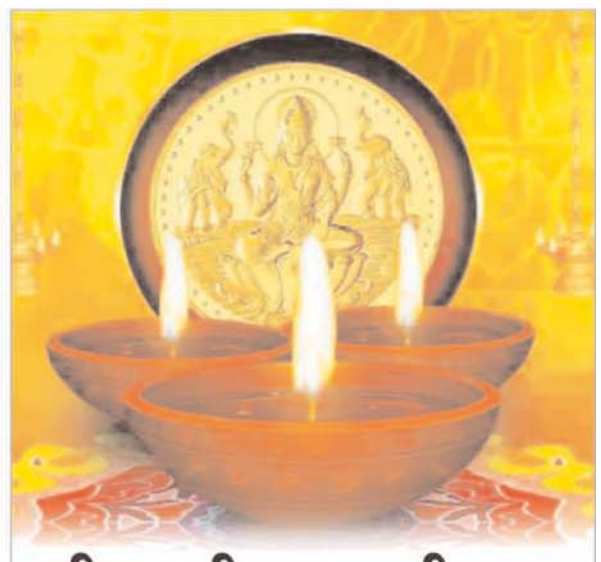

दीपावली पर लक्ष्मी पूजन के समय क्यों रखा जाता है कौड़ी और कमल गट्टा?

दीपावली का त्योहार मां लक्ष्मी के स्वागत और उनकी विशेष पूजा-अर्चना के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन घरों और मंदिरों में विधि-विधान से मां लक्ष्मी और भगवान गणेश का पूजन किया जाता है। पूजा के दौरान कई ऐसी वस्तुएं रखी जाती हैं, जिन्हें धन, समृद्धि, सुख-शांति और सौभाग्य का प्रतीक माना गया है। इन्हीं वस्तुओं में आपने देखा होगा कि दीपावली पर लक्ष्मी पूजन की थाली में पीली कौड़ियां और कमल गट्टे जरूर रखे जाते हैं। आखिर इन दोनों चीजों को मां लक्ष्मी की पूजा में शामिल करने की परंपरा क्यों है?

लक्ष्मी पूजन में इसलिए रखी जाती है कौड़ी

धार्मिक मान्यताओं में कौड़ी को मां लक्ष्मी से जुड़ी शुभ वस्तु माना जाता है। प्राचीन समय में कौड़ियों का इस्तेमाल मुद्रा के रूप में भी किया जाता था। उस दौर में लोग वस्तुओं के लेनदेन के लिए कौड़ियों का उपयोग करते थे। इसी वजह से धीरे-धीरे कौड़ी का संबंध धन, संपन्नता और आर्थिक समृद्धि से जुड़ गया। मान्यता है कि दीपावली पर मां लक्ष्मी के पूजन में कौड़ी रखने से घर में सुख-समृद्धि का वास होता है। इसे धन की देवी का प्रिय प्रतीक माना जाता है। विशेष रूप से पीली कौड़ी को शुभता और धन-वैभव से जोड़कर देखा जाता है। कई परिवारों में दीपावली के दिन कौड़ियों को हल्दी या केसर से रंगकर मां लक्ष्मी के चरणों में अर्पित किया जाता है।

कौड़ी का मां लक्ष्मी से क्या है संबंध

कौड़ी को मां लक्ष्मी से जोड़ने के पीछे समुद्र से संबंधित धार्मिक मान्यताएं भी प्रचलित हैं। मान्यता के अनुसार मां लक्ष्मी का प्राकट्य समुद्र मंथन के दौरान हुआ था। समुद्र से उत्पन्न होने के कारण कौड़ी को भी देवी लक्ष्मी से संबंधित शुभ वस्तु माना जाने लगा। यही वजह है कि कौड़ी को लक्ष्मी पूजन, धनतेरस और दीपावली के अवसर पर विशेष रूप से शामिल किया जाता है।

दीपावली पर कमल गट्टा क्यों रखा जाता है

मां लक्ष्मी की पूजा में कमल गट्टे का भी विशेष महत्व माना जाता है। कमल गट्टा कमल के फूल के बीज होते हैं। धार्मिक दृष्टि से कमल का फूल देवी लक्ष्मी का प्रिय पुष्प माना जाता है। मां लक्ष्मी को अक्सर कमल के आसन पर विराजमान दिखाया जाता है। उनके हाथों में भी कमल के फूल सुशोभित होते हैं। कमल का फूल कीचड़ में खिलने के बावजूद अपनी सुंदरता और पवित्रता बनाए रखता है। इसी कारण इसे पवित्रता, निर्मलता, सकारात्मकता, आध्यात्मिक उन्नति और परिवार में सुख-समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। दीपावली पर लक्ष्मी पूजन में कमल गट्टा अर्पित करने की परंपरा इसी धार्मिक संबंध से जुड़ी हुई है।

कमल गट्टे का धन और समृद्धि से क्या संबंध है?

धार्मिक मान्यताओं में कमल गट्टे को धन-धान्य और ऐश्वर्य का प्रतीक माना जाता है। दीपावली के दिन कई श्रद्धालु कमल गट्टे की माला से मां लक्ष्मी के मंत्रों का जाप भी करते हैं। मान्यता है कि इससे मन एकाग्र होता है और साधक को देवी की आराधना में विशेष फल प्राप्त होता है। दीपावली पर लक्ष्मी पूजन में कौड़ी और कमल गट्टा रखना केवल एक धार्मिक रस्म नहीं, बल्कि भारतीय परंपरा में समृद्धि और पवित्रता के प्रतीकों को सम्मान देने का तरीका भी है।



पुष्कर, जयपुर और जैसलमेर की दिवाली होती है विशेष

वैसे तो दिवाली का पर्व हर शहर में अपने तरीके से मनाया जाता है। पूरे देश ही दीपों और लाइट से जगमग जगमग हो उठता है। आसमान से देखने पर भारत का शानदार नजारा दिखाई देता है। करोड़ों दीयों से आसमान भी रोशन हो जाता है। कहते हैं कि राजस्थान के पुष्कर, जयपुर और जैसलमेर में तो दिवाली बहुत ही शानदार तरीके से और अलग ही अंदाज में मनाई जाती है।

पुष्कर की दिवाली

पुष्कर में कई देशी और विदेशी पर्यटक आते जाते रहते हैं। इसलिए यहां पर दिपावली का उत्सव अलग ही अंदाज में मनाया जाता है। यहां की दिवाली देशभर में प्रसिद्ध है। पूरे शहर के दीपों से सजाया जाता है। पुष्कर झील के आसपास दिवाली के दीये जब जलाए जाते हैं तो पूरा क्षेत्र ऐसा नजर आता है जैसे झील में सूर्य उतर आया हो। यहां पर दिवाली पर 5 दिनों का भव्य उत्सव, ऊंट मेला और समारोह होता है जिसे देखने के लिए देश और विदेश से लोग आते हैं।

जयपुर की दिवाली

पिंक सिटी यानी गुलाबी शहर के नाम से विश्वभर में प्रसिद्ध यह नगर दीपकों की ज्योति से जब नहाता है तो पूरा शहर पिंक की बजाया सुनहरा नजर आता है। यहां पर हवा महल की जगमग रोशनी देखते ही बनती है। जयपुर के बाजार भी किसी दुल्हन की तरह सज जाते हैं जहां पर पर्यटकों की भीड़ उमड़ पड़ती है।

जैसलमेर

जैसलमेर में सुनहरी रेत का रेगिस्तान दीयों की रोशनी में जब नहाता है तो उसे देखना अचरज भरा होता है। यहां पर जैसलमेर के किले को बहुत ही सुंदर तरीके से सजाया जाता है। पूरा जैसलमेर मिट्टी के लाखों दीयों, फूल और लाइट्स से जब जगमगाता है तो यह नजारा अद्भुत होता है। इसी के साथ यहां के सांस्कृतिक कार्यक्रम और लोकनृत्य दिवाली के उत्सव में चार चांद लगा देते हैं।

देवालयों में दीप जलाएं

- दीपावली पर सायंकाल देवालयों में दीपदान, रात्रि के अंतिम पहर में दरिद्रा निस्तारण करना चाहिए।
- व्यापारी वर्ग शुभ व स्थिर लग्न में अपने प्रतिष्ठान की उन्नति के लिए महालक्ष्मी पूजन करते हैं।
- घरों में लक्ष्मी-गणेश व कुबेर का पंचोपचार या षोडशोपचार पूजन कर दीप जलाना चाहिए।
- मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए श्रीसूक्तमकनकधारा स्त्रोत, लक्ष्मी चालीसा, लक्ष्मी मंत्र का पाठ-जप-हवन आदि करना चाहिए। इससे महालक्ष्मी, स्थिर लक्ष्मी स्वरूप में कृपा के साथ धन-धान्य, सौभाग्य, पुत्र-पौत्र, ऐश्वर्य और प्रभुत्व का इत्यादि का वरदान देती हैं।
- दीपावली की सुबह हनुमान जी का दर्शन-पूजन करना चाहिए।



संक्षिप्त समाचार

व्हाइट हाउस में दिवाली मनाएंगे ट्रंप: ओवल ऑफिस में जलाएंगे दीप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शुक्रवार को व्हाइट हाउस में दिवाली



समारोह में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम ओवल ऑफिस में होगा। इसके साथ ही एक पुरानी परंपरा जारी रहेगी। इस परंपरा की शुरुआत राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने की थी। व्हाइट हाउस में कब शुरू हुई दीप जलाने की परंपरा? पहले दिवाली के कार्यक्रम ज्यादातर आइजनहावर एग्जीक्यूटिव ऑफिस बिल्डिंग में होते थे। इन कार्यक्रमों में भारतीय मूल के अमेरिकी समुदाय के लोग और भारतीय राजनयिक शामिल होते थे। साल 2009 में राष्ट्रपति बराक ओबामा ने व्हाइट हाउस में पहली बार दीप जलाया था। यह कार्यक्रम ईस्ट रूम में आयोजित किया गया था। इसके बाद व्हाइट हाउस में अलग-अलग जगहों पर दीप जलाने के समारोह होने लगे। इनमें ओवल ऑफिस और रूजवेल्ट रूम भी शामिल हैं। पिछले साल ट्रंप के साथ किसने मनाई थी दिवाली? पिछले साल अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा भी ट्रंप के साथ दिवाली समारोह में शामिल हुए थे। यह कार्यक्रम ओवल ऑफिस में हुआ था। इस दौरान पारंपरिक तरीके से दीप जलाया गया था।

शेयर बाजार में गिरावट के लिए डेमोक्रेट्स को ठहराया जिम्मेदार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मध्यावधि चुनाव के नतीजों के बाद शेयर बाजार में आई गिरावट पर



प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट कर इसे इतिहास के सबसे बुरे दिनों में से एक बताया। ट्रंप ने कहा कि यह सब देखना बहुत दुखद है। ट्रंप ने लिखा, चुनाव के नतीजों के आधार पर शेयर बाजार ने इतिहास के सबसे बुरे दिनों में से एक देखा। यह देखना बहुत दुखद है। हमें उस स्तर तक पहुंचाने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ी थी, जिसे पहले कभी किसी ने नहीं देखा था। और फिर यह सब हो गया। इसलिए आपके 401(के) खातों में जमा रकम भी घट गई है। याद रखिए, इसके लिए रिपब्लिकन जिम्मेदार नहीं थे, बल्कि डमोक्रेट्स (डेमोक्रेट्स) जिम्मेदार थे। उन्होंने आगे लिखा, हालांकि, डरने की जरूरत नहीं है। हम जल्द ही, किसी न किसी तरह, पहले से कहीं ज्यादा बड़े और मजबूत होंगे। अमेरिका को फिर से महान बनाएं। राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से यह टिप्पणी ऐसे समय में सामने आई है, जब उनको हालिया मध्यावधि चुनाव में हार का सामना करना पड़ा है। यह चुनाव अमेरिकी राजनीतिक इतिहास का एक ऐसा मील का पत्थर साबित हुआ है, जहां दशकों पुराने सियासी समीकरण पूरी तरह पलट गए हैं। देश भर के मतदाताओं ने अभूतपूर्व विविधता दिखाते हुए कई ऐतिहासिक और जमीनी बदलावों पर अपनी मुहर लगाई है। संसद और गवर्नर्स के पदों पर हुए इस बड़े फेरबदल से आने वाले समय में राष्ट्रपति ट्रंप और उनके प्रशासन के खिलाफ एक मजबूत राजनीतिक मुकाबला देखने को मिलेगा।

चीन बांग्लादेश को 22 हजार करोड़ के फाइटर जेट देगा

पाकिस्तान पायलट्स को उड़ाना सखाएगा; भारत की सीमा से 40 किमी दूर होगी ट्रेनिंग

ढाका, एजेंसी। चीन अगले साल बांग्लादेश को करीब 22 हजार करोड़ रुपए के जे-सीरीज फाइटर जेट देगा। इन विमानों को उड़ाने की ट्रेनिंग पाकिस्तान की एयरफोर्स देगी। इसके लिए पाकिस्तानी ट्रेनर भारत की सीमा से करीब 40 किलोमीटर दूर बांग्लादेश के जेस्सोर एयरबेस पर पायलट्स को प्रशिक्षण दे सकते हैं। पाकिस्तान की एयरफोर्स 2022 से चीन में बने जे-सीरीज फाइटर जेट उड़ा रही है। चीन के बाद पाकिस्तान के पास इन विमानों का सबसे बड़ा बेड़ा है। इसी वजह से उसके पास इन विमानों को उड़ाने का सबसे ज्यादा अनुभव भी है।

चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश की वायुसेना के अफसरों की दिसंबर में ढाका में बैठक भी होगी। ढाका में होने वाले जॉइंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत पाकिस्तानी एयरफोर्स बांग्लादेशी पायलट्स को ट्रेनिंग देगी। इसके अलावा रडार से दुश्मन के विमानों की पहचान और उन पर नजर रखने वाले कंट्रोलर्स को भी ट्रेनिंग दी जाएगी। ग्राउंड क्रू के लिए भी अलग कोर्स चलाए जाएंगे।

पाकिस्तान के एयर वाइस मार्शल औरंगजेब अहमद के नेतृत्व में पांच



सदस्यों की एक टीम ढाका पहुंच चुकी है। इस टीम ने वहां के एयरबेस और दूसरी जरूरी सुविधाओं का जायजा लिया। साथ ही तकनीकी ट्रेनिंग और सिम्युलेटर के लेन-देन की योजना भी तैयार की। चीन की वायुसेना के साथ उसकी तकनीकी टीमें और डेटा लिंक सिस्टम भी काम करते हैं। ऐसे में आशंका है कि भविष्य में एलएसी पर भारत और चीन के बीच तनाव बढ़ने पर बांग्लादेश के रडार से मिलने वाली जानकारी चीन के सैन्य नेटवर्क तक पहुंच सकती है। चीन की सेना टैक्टिकल डेटा लिंक तकनीक का इस्तेमाल करती है। इसके जरिए फाइटर जेट और जमीन पर मौजूद सैन्य कमान एक-दूसरे से जुड़े रहते हैं। वे रडार से मिली तस्वीरें और दुश्मन के ठिकानों की जानकारी आपस में साझा कर सकते हैं। रक्षा विश्लेषकों के मुताबिक, चीन ने एक्सएस-3 नाम का हाई-बैंडविड्थ ब्रॉडबैंड लिंक भी तैयार किया है। इसका इस्तेमाल लड़ाकू विमानों, बमवर्षक विमानों और ड्रोन को एक नेटवर्क से जोड़ने के लिए किया जाता है। विश्लेषकों का मानना है कि पाकिस्तान के बाद अब बांग्लादेश भी चीन की इस तकनीक का इस्तेमाल कर सकता है। भारत के लिए इस सैन्य सहयोग से जुड़ी एक बड़ी चिंता सिलीगुड़ी कॉरिडोर है। यह करीब 20 से 22 किलोमीटर चौड़ी पट्टी है, जो पूर्वोत्तर राज्यों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ती है। इस इलाके पर पहले से चीन का दबाव है। बांग्लादेश के लालमोनिरहाट या कुर्मीटोला जैसे एयरबेस पर लंबी दूरी तक हमला करने वाले फाइटर जेट तैनात होने से यह पूरा इलाका उनकी पहुंच में आ सकता है। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में कई उग्रवादी संगठन सक्रिय हैं।

इस्राइल में नई सरकार की कवायद: पूर्व पीएम बेनेट की पार्टी ने आइजेनकोट को दिया समर्थन; नेतन्याहू की बढ़ी चुनौती

यरूशलम, एजेंसी। इस्राइल में नई सरकार के गठन को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। पूर्व प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट के नेतृत्व वाली बी'याचाद पार्टी ने गादी आइजेनकोट को अगली सरकार बनाने के लिए अपना समर्थन दे दिया है। गुरुवार को राष्ट्रपति इसाक हर्जोग के साथ हुई मुलाकात के दौरान पार्टी के प्रतिनिधियों ने आधिकारिक तौर पर आइजेनकोट के नाम की सिफारिश की। इस्राइल की 120 सदस्यीय संसद में सरकार बनाने के लिए 61 सांसदों का समर्थन जरूरी है। राजनीतिक गठबंधनों के आंकड़े बताते हैं कि सरकार गठन का रास्ता अभी आसान नहीं है। विपक्षी दलों के बीच भी कुछ मुद्दों पर मतभेद हैं, खासकर अरब दलों और अन्य धार्मिक दलों के साथ संभावित गठबंधन को लेकर। ऐसे में आइजेनकोट को समर्थन मिलने के बावजूद सरकार बनाने के लिए जरूरी राजनीतिक सहमति तैयार करना अहम चुनौती होगी। राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने 5 नवंबर को घोषणा की कि वह रविवार को किसी एक सांसद को सरकार बनाने का औपचारिक जिम्मा सौंपने का फैसला करेंगे। नियमानुसार, जिसे सरकार बनाने का मौका मिलेगा, उसे गठबंधन तैयार करने के लिए शुरुआती तौर पर 28 दिन का समय दिया जाएगा। जरूरत पड़ने पर 14 दिनों का अतिरिक्त समय भी मिल सकता है। अक्तूबर 27 को हुए चुनावों में 120 सदस्यीय सदन में नेतन्याहू के नेतृत्व वाले गुट ने 53 सीटें जीती थीं। नेतन्याहू विरोधी गुट, जिसे 'परिवर्तन गुट' भी कहा गया, को 48 सीटें मिलीं। शेष 19 सीटें अरब दलों के खाते में गईं, जिससे खंडित जनादेश सामने आया। नेतन्याहू गुट की यूनाइटेड तोराह जूडाइज्म पार्टी ने उन्हें सिफारिश नहीं दी, जिससे प्रधानमंत्री के लिए सिफारिशों की संख्या 46 हो गई।

मस्क ने ट्रंप की पार्टी के समर्थन वाले पोस्ट हटाए: प्रचार में किया था 4400 करोड़ का खर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को मिली बड़ी हार के बाद दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन



मस्क एक बार फिर चर्चा में हैं। चुनाव से पहले रिपब्लिकन उम्मीदवारों के समर्थन में खुलकर प्रचार करने वाले मस्क को लेकर दावा किया जा रहा है कि उन्होंने अपनी चर्चित सोशल मीडिया पोस्ट 'वोट रेड टुडे!' को डिलीट कर दिया है। खास बात यह है कि मस्क के एआई चैटबॉट ग्रोक ने भी पूछे जाने पर पोस्ट हटाए जाने की बात कही।

चुनाव परिणाम सामने आने के बाद बुधवार सुबह एलन मस्क सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक पर काफी सक्रिय दिखाई दिए। उन्होंने चुनावी नतीजों और उनके विश्लेषण से जुड़ी कई पोस्ट को रीपोस्ट किया। रात करीब 1 बजे ईस्टर्न टाइम पर उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में लिखा, 'लगता है मेरे चुनाव में दखल देने वाले स्पेस लेजर इस बार काम नहीं आए।' इससे पहले उन्होंने अंतरिक्ष में डेटा सेंटर बनाने को लेकर भी टिप्पणी की थी। बाद में एक यूजर की उस पोस्ट पर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी, जिसमें दावा किया गया था कि मतदाताओं ने रिपब्लिकन की नीतियों का समर्थन करने के बावजूद डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों को वोट दिया। मस्क ने जवाब में कैलिफोर्निया के वोटर आईडी प्रस्ताव की हार का जिक्र किया। उनका इशारा उस प्रस्ताव की ओर था, जिसके तहत मतदान के लिए सरकारी फोटो पहचान पत्र या मेल-इन बैलेट के लिए पहचान संबंधी जानकारी देना अनिवार्य किया जाना था। अमेरिकी चुनाव में एलन मस्क की भूमिका केवल सोशल मीडिया तक सीमित नहीं रही। उन्होंने रि पब्लिकन उम्मीदवारों और कंजर्वेटिव संगठनों के समर्थन में कम से कम 458 मिलियन डॉलर खर्च किए। चुनाव आयोग की फाइलिंग और मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मस्क अमेरिकी आधुनिक राजनीतिक इतिहास के सबसे बड़े व्यक्तिगत राजनीतिक दानदाताओं में शामिल हो गए। उनके खर्च का बड़ा हिस्सा अमेरिका पीएसी नाम के सुपर पीएसी को मिला। इस संगठन ने मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक लाने, जमीनी स्तर पर प्रचार अभियान चलाने और डिजिटल विज्ञापनों के जरिए रिपब्लिकन उम्मीदवारों के समर्थन में माहौल बनाने का काम किया।

पाकिस्तान में भीषण सड़क हादसा: बस और ट्रक की टक्कर में 11 लोगों की मौत, 33 घायल

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ। पाकपट्टन के पास एक यात्री बस और ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 33 अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रेस्क्यू 1122 के मुताबिक, हादसे में 11 लोगों की जान गई। आठ लोगों को मामूली चोटें आईं, जबकि 25 अन्य को पाकिस्तान के पाकपट्टन स्थित अस्पताल ले जाया गया। जिला प्रशासन की ओर से जारी बयान के अनुसार, हादसा डेपालपुर रोड पर हुआ। यात्री बस मुल्तान से कसूर की ओर जा रही थी, जबकि ट्रक विपरीत दिशा से आ रहा था। इसी दौरान दोनों वाहनों की टक्कर हो गई। हादसे के बाद करीब तीन घंटे तक बचाव अभियान चलाया गया। मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए क्रेन और अन्य भारी मशीनों की मदद ली गई। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में अक्तूबर के दौरान कुल 44,797 सड़क हादसे हुए। इनमें 464 लोगों की मौत हुई, जबकि 23,543 लोग गंभीर रूप से घायल हुए। स्थानीय मीडिया ने बचाव अधिकारियों के हवाले से बताया कि इन हादसों में करीब तीन-चौथाई दुर्घटनाएं मोटरसाइकिल से जुड़ी थीं। ये आंकड़े पंजाब के जिलों में रेस्क्यू 1122 के आपातकालीन अभियानों की मासिक समीक्षा के दौरान साझा किए गए। विभाग के मुताबिक, अक्तूबर में बचाव दलों ने कुल 2,31,056 आपातकालीन घटनाओं पर कार्रवाई की और 2,33,210 लोगों को जान बचाई। इन घटनाओं में सड़क हादसे, आग लगने, मेडिकल इमरजेंसी, डूबने और अन्य बचाव अभियान शामिल थे। विभाग ने अक्टूबर में आग लगने की 1,726 और डूबने की 94 घटनाएं दर्ज कीं। पंजाब में सबसे ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं लाहौर में दर्ज की गईं। यहां मोटरसाइकिल से जुड़े 7,874 हादसे हुए। इसके अलावा मुल्तान में 3,312 मोटरसाइकिलों से जुड़े 2,838 हादसे, फैसलाबाद में 2,896 मोटरसाइकिलों से जुड़े 2,615 हादसे और गुजरांवाला में 2,250 मोटरसाइकिलों से जुड़े 2,092 हादसे दर्ज किए गए।

एक प्रदर्शनी से कहीं बड़ा है सीआईआईई

बीजिंग, एजेंसी। दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं, अंतरराष्ट्रीय कंपनियों और व्यापारिक संगठनों की नजरें एक बार फिर चीन के शांगहाई शहर पर टिकी हैं। 5 से 10 नवंबर तक यहां नौवें चीन अंतर्राष्ट्रीय आयात एक्सपो (चाइना इंटरनेशनल इंपोर्ट एक्सपो-सीआईआईई) का आयोजन होने जा रहा है। यह दुनिया का पहला राष्ट्रीय स्तर का ऐसा एक्सपो है, जो विशेष रूप से आयात पर केंद्रित है। वर्ष 2018 में शुरू हुए इस आयोजन का उद्देश्य चीन के विशाल घरेलू बाजार को दुनिया के लिए खोलना, विदेशी उत्पादों के आयात को प्रोत्साहित करना और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना है। हर साल आयोजित होने वाला सीआईआईई अब वैश्विक कंपनियों के लिए चीन के बाजार में अपनी संभावनाएं तलाशने का एक महत्वपूर्ण मंच बन चुका है। इस वर्ष के एक्सपो में 162 देशों, क्षेत्रों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों की भागीदारी होगी। 4,142 विदेशी कंपनियां इसमें हिस्सा लेंगी, जबकि प्रदर्शनी का कुल क्षेत्रफल 4.40 लाख वर्ग मीटर से अधिक होगा। 480 से ज्यादा नए उत्पादों, तकनीकों और सेवाओं की पहली प्रस्तुति भी इस आयोजन का प्रमुख आकर्षण रहेगी। एक्सपो के बिजनेस एग्जिबिशन को छह प्रमुख क्षेत्रों में बांटा गया है। इनमें तकनीकी उपकरण और बुद्धिमान उद्योग, उपभोक्ता उत्पाद, खाद्य एवं कृषि उत्पाद, ऑटोमोबाइल, चिकित्सा उपकरण एवं स्वास्थ्य उत्पाद और सेवा व्यापार शामिल हैं। इसके अलावा स्टार्टअप और उभरती कंपनियों को प्रोत्साहित करने के लिए इनोवेशन इनक्यूबेशन जोन भी बनाया गया है। सीआईआईई के दो प्रमुख हिस्से हैं- कंट्री एग्जिबिशन और एंटरप्राइज एंड बिजनेस एग्जिबिशन। जहां कंट्री एग्जिबिशन में विभिन्न देश अपनी आर्थिक उपलब्धियों, निवेश के अवसरों और सांस्कृतिक विशेषताओं को प्रस्तुत करते हैं, वहीं बिजनेस एग्जिबिशन में कंपनियां अपने उत्पादों और तकनीकों के जरिए नए कारोबारी साझेदार तलाशती हैं। आज जब वैश्विक अर्थव्यवस्था भू-राजनीतिक तनाव, व्यापारिक प्रतिबंधों, टैरिफ़ और आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों से गुजर रही है, तब सीआईआईई जैसे मंचों का महत्व बढ़ जाता है। यह अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को चीन के बाजार तक पहुंचने, संभावित खरीदारों से जुड़ने और नए व्यापारिक अवसर तलाशने का मौका देता है। वर्ष 2018 में शुरू हुआ सीआईआईई अब अपने नौवें संस्करण तक पहुंच चुका है।

हत्या नहीं की मैंने तो पत्नी के शव के टुकड़े किए, अमेरिका में भारतीय मूल व्यक्ति का अजीबोगरीब कबूलनामा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अपनी पत्नी की हत्या के आरोपी भारतीय मूल के एक व्यक्ति ने अमेरिका के वर्जीनिया की अदालत में गवाही दी है कि पत्नी को मृत पाकर उसने उसके शव के टुकड़े कर दिए थे। नरेश भट्ट ने अदालत को बताया कि उसकी पत्नी ममता कफले भट्ट ने आत्महत्या की थी।

भट्ट ने दावा किया कि उसने अपनी पत्नी को बिस्तर के पास बेहोशी की हालत में पाया, जहां उसके आस-पास उल्टी पड़ी थी। ऐसा लगता था कि उसने कुछ गोलियां और एक अत्यंत जहरीला कीटनाशक खा लिया था।

क्या है आरोप?: भट्ट पर अपनी 28 वर्षीय पत्नी की हत्या करने, शव को विकृत करने और उसे छिपाने का आरोप है। उनकी पत्नी 2024 में लापता हो गई थी और माना जा रहा है कि उसकी हत्या कर दी गई है। उसे आखिरी बार 29 जुलाई, 2024 को एक वीडियो कॉल के दौरान देखा गया था। उसने खुद को इन आरोपों से बेकसूर बताया। उसने कहा कि उसने अपनी पत्नी को बचाने के लिए सीपीआर दिया और अन्य उपाय किए, लेकिन बाद में आरी से उसके शरीर के टुकड़े कर दिए। एक रिपोर्ट के अनुसार, भट्ट ने यह भी दावा किया कि इसके बाद उसने खुद अपनी जान लेने के बारे में भी सोचा था।

जब उससे पूछा गया कि अपनी पत्नी को बेहोश पाकर उसने 911 पर कॉल क्यों नहीं किया तो भट्ट ने कहा, मुझे नहीं पता कि मैंने ऐसा क्यों नहीं किया। मैंने कॉल करने की कोशिश की थी। मैं बहुत डर गया था... जैसे मुझ पर कोई और चीज हावी हो गई हो। मैं बुरी तरह घबरा गया था। यह चौंकाने वाला दावा उनके मुकदमे के पांचवें हफ्ते में सामने आया है, जबकि उसकी पत्नी का शव दो साल से भी ज्यादा समय से लापता था। 5 अगस्त को ममता के काम पर न पहंचने के



बाद उनके लापता होने की खबर सामने आई थी। शुरुआत में भट्ट ने पुलिस से कहा कि उसे नहीं लगता कि उसकी पत्नी लापता है, लेकिन बाद में उसने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

22 अगस्त 2024 को उसे तब गिरफ्तार कर लिया गया, जब पुलिस को दंपति के बेडरूम और बाथरूम में खून के धब्बे मिले। जांच के दौरान पुलिस को एक पावर सॉ (आरी) भी मिली, जिस पर बाल लगे हुए थे।

अब भट्ट ने अदालत को बताया कि 29 जुलाई 2024 की शाम को वह अपनी बेटी के साथ रात करीब 8 बजे सोने चला गया था, लेकिन उसे अपनी पत्नी के ऊपर आने की आहट नहीं मिली। उसने दावा किया कि अगले दिन सुबह करीब 4 बजे जब वह बाथरूम जाने के लिए उठा तो देखा कि ममता बिस्तर के निचले हिस्से में पीठ के बल लेटी हुई थी। उसके चारों ओर उसकी ही उल्टी पड़ी थी, जिसमें कई गोलियां मिली हुई थीं। उसने यह भी बताया कि उसके पास सेल्फोस का एक पैकेट भी पड़ा था।

भट्ट ने अपनी गवाही में बताया कि उसने ममता को होश में लाने की एक घंटे तक कोशिश की। जब यह साफ हो गया कि उनकी मौत हो चुकी है तो वह उसे उठाकर बाथरूम में ले गए। जब यह साफ हो गया कि उसकी मौत हो चुकी है तो उसने शव को छिपाने और फिर खुदकुशी करने का फैसला किया। उसने दावा किया कि वह खुद को फांसी लगाने के लिए तैयार था, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। नरेश भट्ट ने कहा, मैंने तार का केबल और बाकी सब चीजें ले ली थीं, लेकिन फिर मैंने ऐसा नहीं किया। भट्ट ने बताया कि उसने ममता के पूरे शरीर को कचरे में डालने का फैसला किया था, लेकिन वह उसमें फिट नहीं आया, इसलिए उसने आरी से उसे काट दिया। अदालत में उसने कहा, मैं उसके शरीर के टुकड़े करने की कोशिश कर रहा था... शरीर से पैरों को अलग करने की कोशिश कर रहा था। उसने दावा किया कि वह उसके शरीर को पूरी तरह से अलग-अलग टुकड़ों में नहीं काट पाया।

चीन की दोस्ती में पाकिस्तान ने पार की हद, ताइवान की एयरलाइंस पर लगाया बैन

बीजिंग, एजेंसी। पिछले महीने ऐसी खबरें सामने आई थीं कि पाकिस्तान ने ताइवान की दो प्रमुख एयरलाइंस- सरकारी कंपनी चाइना एयरलाइंस और निजी एयरलाइन इवीए एयर को अपने हवाई क्षेत्र से गुजरने की अनुमति देने से इंकार कर दिया था। इस फैसले से पाकिस्तान की वन चाइना पॉलिसी को लेकर समझ और चीन के उसके निर्णयों का पालन करता है और केवल मुख्य भूमि चीन की एयरलाइंस को ही उड़ान की अनुमति दी जाती है। हालांकि, यह फैसला इसलिए भी हैरान करने वाला था क्योंकि चीन खुद ताइवान की व्यावसायिक एयरलाइंस पर इस तरह की पाबंदी नहीं लगाता है।

हालांकि, पाकिस्तान ने बाद में अपना फैसला बदलते हुए दोनों एयरलाइंस पर लगा प्रतिबंध हटा दिया। अब चाइना एयरलाइंस और इवीए एयर को 27 मार्च 2027 तक पाकिस्तानी एयरस्पेस से उड़ान भरने की अनुमति मिल गई है। लेकिन यह राहत फिलहाल अस्थायी है। मार्च 2027 के बाद इन एयरलाइंस को फिर से उड़ान की अनुमति मिलेगी या नहीं, इस पर पाकिस्तान की ओर से अभी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है।

पाकिस्तान और ताइवान के बीच कुछ ही पक्के रिश्ते हैं। इस्लामाबाद वन चाइना पॉलिसी का सख्ती से पालन करता है और चीन के साथ पक्की दोस्ती बनाए रखता है। पाकिस्तान के ताइवान के साथ सीमित लिंक में सिर्फ़ 900 से ज़्यादा पाकिस्तानी नागरिक शामिल हैं, जिनमें स्टूडेंट, रेस्टोरेंट मालिक और दूसरे प्रोफेशनल शामिल हैं। कोई रिप्रेज़ेंटेटिव ऑफिस नहीं है, और न ही कभी रहा है। दोनों तरफ से कोई डायरेक्ट फ़्लाइट भी नहीं है। साउथ एशिया और ताइवान के बीच एकमात्र एयर कनेक्शन ताइपे-दिल्ली रूट है, जो 1 दिसंबर को फिर से शुरू होने वाला है।

यह बैन पाकिस्तान के वन चाइना पॉलिसी को मानने की आम जरूरत से कहीं ज़्यादा है। इस्लामाबाद इसके सबसे मजबूत मानने वालों में से है, जो रेगुलर तौर पर अपनी कमिटमेंट को दोहराता है और ताइवान पर अपनी स्थिति सहित चीन की सॉवरेनिटी और टेरिटोरियल इंटीग्रिटी का बिना शर्त समर्थन करता है। एक मुश्किल मुद्दे को आसान बनाने के रिस्क पर, पाकिस्तान की तरह सख्ती से मानने का मतलब आम तौर पर ताइवान की आजादी का विरोध करना, बीजिंग के इस दावे को मानना ??कि ताइवान चीन का हिस्सा है और ताइपे के साथ ऑफिशियल संबंध नहीं रखना है। हालांकि, देश इस पॉलिसी का अलग-अलग मतलब निकालते हैं। कुछ जो इसे मानते हैं, वे अभी भी ताइवान में ट्रेड संबंध और अनऑफिशियल ऑफिस बनाए रखते हैं। पॉलिसी का यह मतलब नहीं है कि देश ताइवान की कमर्शियल एयरलाइन को अपने एयरस्पेस से गुज़रने की इजाजत न दें। ऐसी इजाजत सिविल एविएशन अरेंजमेंट का मामला है। देशों ने पॉलिटिकल वजहों से ताइवान की फ़्लाइट पर रोक लगाई है। इस साल अप्रैल में,



सेशेल्स, मॉरिशस और मेडागास्कर ने ताइवान के मौजूदा प्रेसिडेंट लाई चिंग-ते की अफ्रीका में ताइवान के एकमात्र बचे हुए डिप्लोमैटिक साथी, इस्वातिनी की प्लान की गई यात्रा के लिए ओवरफ्लाइट की इजाजत वापस ले ली थी। लेकिन, प्रेसिडेंशियल फ़्लाइट पर रोक लगाना कमर्शियल एयरलाइन को ओवरफ्लाइट के अधिकार न देने से बिल्कुल अलग मामला है। तो, इस फैसले के पीछे क्या वजह हो सकती है? क्या यह चीन की ग्रे-ज़ोन एक्टिविटी का एक्सटेंशन था, या चीन-पाकिस्तान की सदाबहार दोस्ती से पैदा हुई वफादारी का दिखावा था ? पाकिस्तान के इस फैसले के दो संभावित कारण हो सकते हैं। पहला यह कि चीन ने पाकिस्तान से वन चाइना पॉलिसी को मजबूत करने, ताइवान के साथ इंटरनेशनल जुड़ाव को कम करने और अपने पार्टनर पर बीजिंग के असर को दिखाने के लिए बैन लगाने को कहा। पाकिस्तान, ताइवान पर चीन की स्थिति के सबसे भरोसेमंद सपोर्टर्स में से एक है। वफादारी दिखाने के लिए खुद ही यह बैन लगाया हो, खासकर ऐसे समय में जब वह यूनाइटेड स्टेट्स के साथ करीबी रिश्ते बनाना चाहता है। मक्का पैक्ट ने बीजिंग को भरोसा दिलाने के लिए इस्लामाबाद के इंसेंटिव को और बढ़ाया होगा। इस बीच, बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का एक अहम हिस्सा, चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर, बीजिंग के लिए एक स्ट्रेटेजिक और इकोनॉमिक एसेट के बजाय एक सिक्योरिटी लायबिलिटी बन गया है। इस बैकग्राउंड में, यह बैन शायद यह दिखाने के लिए एक इशारा था कि वाशिंगटन के करीब जाने की पाकिस्तान की कोशिशें चीन के साथ उसके रिश्तों की कीमत पर नहीं हुई हैं।



डेवोन भारत के खिलाफ वनडे मैचों से बाहर

चोटिल होने के कारण हुए बहार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड को एक और झटका लगा है। सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे ट्रेनिंग के दौरान सिर में चोट लगने के कारण बाकी बचे चार मैचों से बाहर हो गए हैं। पहले से ही रचिन रविंद्र और मार्क चैपमैन जैसे दो अहम खिलाड़ियों के बिना खेल रही मेजबान टीम को अब सीरीज के पहले मैच में मिली हार से उबरने के लिए एक और समस्या का सामना करना पड़ेगा। मंगलवार को ईडन पार्क में फील्डिंग सेशन के दौरान मैट हेनरी से टकराने के कारण कॉनवे पहले वनडे में नहीं खेल पाए। उनकी जगह शीर्ष पर टिम सीफर्ट को मौका मिला और उन्होंने 38 रन बनाए, लेकिन न्यूजीलैंड की टीम 40.2 ओवर में 185 रन पर ऑल आउट हो गई। अर्शदीप सिंह ने चार विकेट और गुरनूर बराड़ ने तीन विकेट लिए, जिसके बाद ब्लेयर टिकनर के 34 रनों के योगदान से न्यूजीलैंड इस लक्ष्य तक पहुंच पाई। बारिश के कारण भारत की पारी बाधित हो गई और डीएलएस पद्धति के तहत लक्ष्य को 32 ओवरों में 143 रन कर दिया गया। रोहित शर्मा शून्य पर आउट हो गए, लेकिन विराट कोहली के 51 गेंदों पर 74 रन और शुभमन गिल के 37 रनों की बदौलत भारत ने मैच पर पकड़ मजबूत कर ली। अंततः मेहमान टीम ने 22.4 ओवरों में 143 रन बनाकर पांच विकेट खो दिए और पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने शुक्रवार को पुष्टि की कि कॉनवे शेष मैचों में नहीं खेल पाएंगे। निक केली, जिन्हें मूल रूप से चौथे और पांचवें वनडे के लिए चुना गया था, को उनके स्थान पर टीम में शामिल किया गया है और वे वेलिंगटन में टीम से जुड़ेंगे। वहीं, ऑकलैंड एसेस के बल्लेबाज डेल फिलिप्स को भारत ए के खिलाफ अंतिम चार दिवसीय मैच के लिए न्यूजीलैंड ए टीम में शामिल किया गया है।

कॉनवे को चोट कैसे लगी?

यह घटना मंगलवार को ईडन पार्क में एक प्रशिक्षण सत्र के दौरान घटी, जब कॉनवे और हेनरी एक ही कैच लेने की कोशिश में आपस में टकरा गए। दोनों खिलाड़ियों को तत्काल चिकित्सा सहायता दी गई और उनके सिर की चोटों का आकलन किया गया। कॉनवे को ऑकलैंड स्थित एक चिकित्सा केंद्र के आपातकालीन विभाग में ले जाया गया, जहां आगे की जांच में सिर में चोट की पुष्टि हुई। हेनरी को सिर में चोट नहीं आई है और वे दूसरे वनडे के लिए चयन हेतु उपलब्ध हैं। चोटों के कारण न्यूजीलैंड की टीम में खिलाड़ियों की कमी हो गई है। कॉनवे, रविंद्र और चैपमैन के साथ न्यूजीलैंड की चोटिल खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं। रविंद्र कंधे की चोट से उबर रहे हैं, जबकि चैपमैन हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण टीम से बाहर हैं। दोनों को सीरीज शुरू होने से पहले ही बाहर कर दिया गया था। हेनरी की उपलब्धता मेजबान टीम के लिए एक सकारात्मक बात है, हालांकि इस तेज गेंदबाज ने भारत के खिलाफ अंतिम तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भी हिस्सा नहीं लिया था क्योंकि उनके दाहिने क्वाड्रिसेप्स में हल्की चोट थी। न्यूजीलैंड को अब सीरीज बराबर करने के लिए अपनी बल्लेबाजी संयोजन पर पुनर्विचार करना होगा। दूसरा वनडे शनिवार, 7 नवंबर को वेलिंगटन के हेनरी स्टेडियम में खेला जाएगा।

प्रीमियर लीग में कोई भी मैच आसान नहीं होता: जाबी अलोंसो



नई दिल्ली,एजेंसी। चेल्सी के मैनेजर जाबी अलोंसो ने कहा है कि प्रीमियर लीग का कोई भी मैच आसान नहीं होता और टीमें एक पल के लिए भी फोकस नहीं खो सकतीं। चेल्सी ने 2026-27 प्रीमियर लीग सीजन की जबरदस्त शुरुआत की है। टीम नौ मैचों में 16 पॉइंट्स के साथ स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर है। जियोस्टार द्वारा साझा एक इंटरव्यू में अलोंसो ने प्रीमियर लीग की चुनौतियों पर बात करते हुए कहा, 'प्रीमियर लीग सच में एक बहुत मुश्किल कॉम्पिटिशन है। चेल्सी जॉइन करने से पहले मुझे इसके बारे में पता था, लेकिन एक बार जब आप इसका अनुभव करते हैं, तो आप सभी टीमों और सभी खिलाड़ियों का स्तर देखते हैं कि हर मैच कितना चुनौतीपूर्ण होता है। इस लीग में कोई भी मैच आसान नहीं होता। हर सप्ताह आपका एक अलग टेस्ट होता है, चाहे वह खिताब के लिए लड़ने वाली टीम हो या ऊपर बने रहने के लिए। इससे हम खुद से बहुत कुछ डिमांड करते हैं और हर गेम के लिए पूरे फोकस के साथ तैयारी करते हैं। आप एक पल के लिए भी स्विच ऑफ नहीं कर सकते, क्योंकि लीग में क्वालिटी आपको सजा देगी।' चेल्सी मैनेजर ने अपनी टीम की रक्षात्मक दिक्कतों को भी माना और जोर देकर कहा कि उनका रक्षात्मक रिकॉर्ड सुधारना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इस सीजन में खाए गए कई गोल निजी गलतियों की वजह से हुए हैं, न कि विरोधी टीमों के उनके रक्षात्मक संरचना को तोड़ने की वजह से। हमारे डिफेंस के बहुत सारे गोल खाने के पीछे सिर्फ एक वजह नहीं है, लेकिन यह पक्का है कि यह एक ऐसा एरिया है जिसमें हम बेहतर करने के लिए समर्पित हैं। मुझे लगता है कि हम करेंगे। हम उस प्रक्रिया में हैं और विकसित हो रहे हैं।

क्रिस लिन का एक महीने का निलंबन पूरा, बीबीएल में खेलने को तैयार



नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के टी20 विशेषज्ञ क्रिस लिन को कोकीन लेने के मामले में एक महीने का बैन झेलना पड़ा है। इंग्लैंड के क्रिकेट रेगुलेटर ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। बैन की अवधि अब पूरी हो चुकी है। बिग बैश लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले लिन का 18 जुलाई को इंग्लैंड में टी20 ब्लास्ट फाइनल्स डे के दौरान रूटीन एंटी-डोपिंग टेस्ट हुआ था। उस समय वह नॉर्थम्पटनशायर स्टीलबैक्स की ओर से खेल रहे थे। टेस्ट में उनका सैंपल पॉजिटिव पाया गया था।

क्रिकेट रेगुलेटर ने बयान में कहा, 'क्रिकेट रेगुलेटर ने नॉर्थम्पटनशायर स्टीलबैक्स के पूर्व क्रिकेटर क्रिस लिन को एक महीने के लिए निलंबित किया गया है। निलंबन का समय अब पूरा हो गया है।' 36 साल के लिन का कोकीन के मेटाबोलाइट बेंजॉयलेगोनिन के कम लेवल के लिए टेस्ट पॉजिटिव आया था। उन्होंने आरोप स्वीकार कर लिया। जांच में यह माना गया कि यह कॉम्पिटिशन के बाहर इस्तेमाल का मामला था और इसका खेल के प्रदर्शन से कोई लेना-देना नहीं था। इसी वजह से उनका बैन तीन महीने की जगह 1 महीने का था। लिन ने इसके साथ ही नशे की लत से जुड़ा रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम भी पूरा कर लिया है। दाएं हाथ के इस विस्फोटक बल्लेबाज ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 18 टी20 और 4 वनडे मैच खेले हैं। वह बिग बैश लीग के इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक माने जाते हैं।

14 देशों के 56 विदेशी गोल्फर भारत में दिखाएंगे दम

- 12 नवंबर से होगा इंटरनेशनल पिच एंड पट ओपन

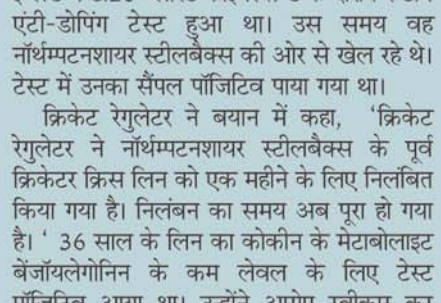

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में गोल्फ के एक नए अंतरराष्ट्रीय अध्याय की शुरुआत होने जा रही है। हरियाणा के नूंह स्थित तरुधन वैली में 12 नवंबर से इंडिया इंटरनेशनल पिच एंड पट ओपन-2026 का आयोजन होगा। इस प्रतियोगिता में 14 देशों के 56 विदेशी खिलाड़ियों समेत कुल 72 गोल्फर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

केंद्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने गुरुवार को प्रतियोगिता की ट्रॉफी का अनावरण किया। इसके साथ ही टूर्नामेंट की तैयारियों ने जोर पकड़ लिया है। इस आयोजन को पिच एंड पट की वैश्विक संस्था फेडरेशन ऑफ इंटरनेशनल पिच एंड पट एसोसिएशंस की मान्यता मिली है, जिससे इसका अंतरराष्ट्रीय महत्व और बढ़ गया है। टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों को भी विदेशी गोल्फरों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर मिलेगा।

संभालेंगे मुंबई की कमान

सूर्यकुमार यादव की मैदान पर वापसी की तारीख तय



मुंबई, एजेंसी। भारतीय टी20 वर्ल्ड कप 2026 विजेता कप्तान सूर्यकुमार यादव जल्द ही प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने जा रहे हैं। वह आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 और विजय हजारे ट्रॉफी 2026-27 में मुंबई की टीम की कप्तानी करते नजर आएंगे। इस तरह उनके पास घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर टीम इंडिया में वापसी का दावा मजबूत करने का मौका होगा।

चयनकर्ताओं के फैसले पर सूर्यकुमार ने क्या कहा? - टी20 टीम से बाहर होने के फैसले पर सूर्यकुमार ने आकाश चोपड़ा के यूट्यूब चैनल पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा, 'जब मैंने टीम में अपना नाम नहीं देखा तो मैं मुस्कुराया। जब भी मैं दबाव में होता हूं या चीजें मेरे पक्ष में नहीं होतीं, तो मैं मुस्कुराता हूं और खुद को शांत रखता हूं।'

रणजी ट्रॉफी में नहीं मिला था मौका

इससे पहले सूर्यकुमार यादव ने मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी 2026-27 का शुरुआती मुकाबला खेलने की इच्छा जताई थी, लेकिन चयनकर्ताओं ने उन्हें टीम में जगह नहीं दी। मुंबई के चयन समिति प्रमुख राजेश पवार ने कहा था, 'वह निश्चित रूप से बड़े मैचों के खिलाड़ी हैं और मुंबई के लिए खुद को साबित कर चुके हैं। हम चाहते हैं कि वह कुछ रेड-बॉल मैच खेलकर लय हासिल करें। सूर्य ने पिछले 18 महीनों से कोई रेड-बॉल मैच नहीं खेला है।' सूर्यकुमार यादव को लेकर आईपीएल 2027 से पहले ट्रेड की अटकलें भी लगाई जा रही थीं। हालांकि, रिपोर्ट्स के मुताबिक मुंबई इंडियंस ने उन्हें ट्रेड करने की संभावनाओं को खारिज कर दिया है। वह आगामी सीजन में भी मुंबई की नीली और सुनहरी जर्सी में खेलते नजर आएंगे। हालांकि, टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी उन्हें मिलने की संभावना नहीं है।

14 नवंबर को खेलेंगे पहला मुकाबला

सूर्यकुमार यादव की वापसी 14 नवंबर से होने वाली है। इस दिन मुंबई की टीम सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हैदराबाद के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, राजेश पवार की अगुवाई वाली मुंबई की सीनियर चयन समिति ने सूर्यकुमार को कप्तानी सौंपने का फैसला किया है। टीम का ऐलान अगले कुछ दिनों में हो सकता है। सूर्यकुमार यादव को टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत को खिताब दिलाने के बावजूद टी20 इंटरनेशनल टीम की कप्तानी गंवानी पड़ी। इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम चुने जाने के दौरान उन्हें कप्तानी से हटाया गया और बल्लेबाजी में लगातार गिरते प्रदर्शन के कारण टीम से भी बाहर कर दिया गया। अब घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन उनके लिए वापसी का रास्ता खोल सकता है।

विश्व कप तक 100 शतक पूरा करने के लिए कोहली के पास पर्याप्त मैच नहीं: अभिषेक नायर



नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर का मानना है कि विराट कोहली के पास 2027 वनडे विश्व कप से पहले 100 अंतरराष्ट्रीय शतक पूरा करने के लिए ज्यादा मैच नहीं बचे। अभिषेक नायर ने जियोस्टार से कहा, 'मुझे नहीं लगता कि वर्ल्ड कप तक उनके पास उस उपलब्धि तक पहुंचने के लिए पर्याप्त मैच है। मैं चाहता हूं कि वह ऐसा करे, लेकिन आपको भी आगे बढ़ने के लिए काफी गेम खेलने होंगे। हो सकता है कि वह वर्ल्ड कप के बाद भी खेलना जारी रखे, लेकिन मैं वर्ल्ड कप तक के समय के बारे में सोच रहा हूं। वर्ल्ड कप के बाद, उनकी प्रेरणा शायद वैसी न रहे।' नायर ने सुझाव दिया कि टीम को हार्दिक पांड्या के साथ एक और विकल्प तैयार करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'भारत को भविष्य के बारे में सोचना चाहिए, जहां हार्दिक पांड्या के साथ एक और ऑलराउंडर खेल सकता है। जब आप न्यूजीलैंड जाते हैं, तो हो सकता है कि आपके पास ऐसे दो

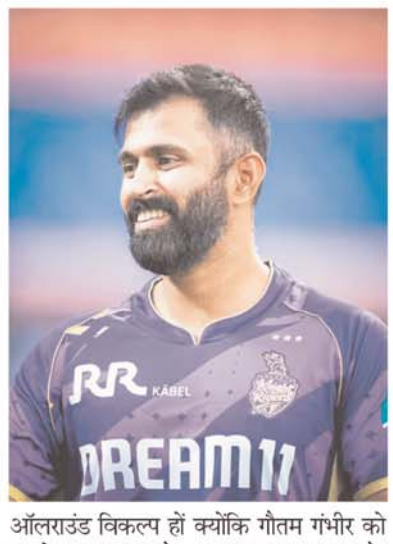

ऑलराउंड विकल्प हों क्योंकि गौतम गंभीर को बल्लेबाज पसंद हैं। अगर आप एक और ऑलराउंडर तैयार करते हैं, तो वे एक साथ खेल सकते हैं। और अगर इंडिया दो अच्छे तेज गेंदबाज और दो सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर के साथ खेल सकता है, तो टीम का संतुलन बेहतर होता है और इसमें गहराई मिलती है। दूसरी बात यह है कि जब आप साउथ अफ्रीका जाते हैं, तो यह काम आएगा क्योंकि अब आपके पास बैटिंग के ज्यादा विकल्प हैं।' नायर ने कहा, 'यह मजेदार है क्योंकि उन सीरीज को देखना जहां आप ट्रॉफी जीतने के लिए फाइनल खेल रहे होते हैं, एक बहुत ही अलग एहसास होता है। यह आपको तैयार करता है और बड़े टूर्नामेंट के लिए तैयार करता है। जब आप तीन या चार देशों वाली ट्रॉफी के लिए खेलते हैं, तो आप स्टैंडिंग में ऊपर-नीचे हो सकते हैं और हर गेम मायने रखता है। इसलिए, मुझे लगता है कि ट्राई-नेशन या उससे अधिक देशों के टूर्नामेंट जैसा कुछ नहीं है।'

आमिर जंगू का शतक, वेस्टइंडीज की पहली पारी 356 रन पर सिमटी



सिलहट, एजेंसी। सिलहट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन वेस्टइंडीज की पहली पारी 356 रन पर सिमटी। वेस्टइंडीज के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज आमिर जंगू ने शतक लगाया। टीम को 356 रन तक पहुंचाने में आमिर जंगू का अहम योगदान रहा। पांचवें नंबर पर आए इस बल्लेबाज ने 212 गेंदों पर 13 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 133 रन की पारी खेली। आमिर ने केविन विकम के साथ चौथे विकेट के लिए 131 रन की अहम साझेदारी की। विकम ने 145 गेंदों पर 5 चौकों की मदद से 61 रन बनाए।

इसके अलावा, जस्टिन ग्रिव्स ने 51, जोशुआ बिशप ने 23, और जोमेल वरिकन ने नाबाद 27 रन बनाए। वेस्टइंडीज के आखिरी 2 विकेटों ने 55 रन जोड़े। बांग्लादेश की तरफ से हसन महमूद ने 24 ओवर में 90 रन देकर 6 विकेट लिए। तस्कीन अहमद ने 2 और मेहदी हसन मिराज ने 2 विकेट लिए। रिपोर्ट लिखे जाने तक बांग्लादेश ने 11 ओवर में 22 रन पर अपने 2 विकेट गंवा दिए थे। तंजीद हसन 16 और नईम हसन 5 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान शांतो 1 और तोहिद हृदोय शून्य पर नाबाद हैं।

बांग्लादेश को दिन के शुरुआत में एक बड़ा झटका भी लगा है। टीम के सलामी बल्लेबाज शादमान इस्लाम को टखने में चोट के कारण मैदान से बाहर होना पड़ा। उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती कराना पड़ा।

शादमान इस्लाम को फील्डिंग करते समय इंजरी हुई। उनका टखना मुड़ा गया। दर्द की वजह से वह तुरंत मैदान पर गिर पड़े और कई मिनट तक तड़पते रहे। इसके बाद उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया। शादमान को एमआरआई स्कैन के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया। यह घटना वेस्टइंडीज की पारी के 78वें ओवर में हुई जब आमिर जंगू ने मेहदी हसन मिराज की गेंद को फाइन लेग की तरफ धकेला। शादमान ने स्लिप से गेंद का पीछा किया, लेकिन जब उन्होंने गेंद उठाने की कोशिश की, तो वह फिसल गए और गिरते समय उनका टखना मुड़ गया।

शादमान टेस्ट मैच के बारी हिस्से के लिए उपलब्ध रहेंगे या नहीं, इस पर फिलहाल कोई स्पष्टता नहीं है। अगर शादमान बाहर होते हैं, तो बांग्लादेश को बाकी मैच सिर्फ 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना होगा।

संक्षिप्त समाचार



विद्यार्थियों ने दिखाई वैज्ञानिक प्रतिभा, विजेता जोन स्तरीय प्रतियोगिता में करेंगे जिले का प्रतिनिधित्व

नारायणपुर। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, रायपुर के निर्देशानुसार शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नारायणपुर में जिला स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी 2026-27 का आयोजन किया गया। एवं छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के संयुक्त सौजन्य से आयोजित इस प्रदर्शनी का मुख्य विषय सतत एवं विकसित भारत के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार रखा गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला मिशन समन्वयक दीनबंधु रावटे द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए 20 से अधिक टीमों एवं प्रतिभागी छात्र-छात्राओं ने विज्ञान आधारित मॉडल और नवाचारी प्रदर्श प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य, स्वच्छता, कृषि पद्धतियों, ग्रामीण विकास एवं आपदा प्रबंधन जैसे विषयों पर अपनी रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के विभिन्न विषयों में निर्णायक मंडल द्वारा प्रतिभागियों का मूल्यांकन कर विजेताओं का चयन किया गया। बेहतर जीवन के लिए कृत्रिम बुद्धिमता विषय में मुस्कान समरथ ने प्रथम, फाल्गुनी इक्के ने द्वितीय एवं सुवेता कुमेटी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। हरित ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण विषय में हरेन्द्र देहरी प्रथम, राहुल उसेंडी द्वितीय एवं संतलाल पोटाई तृतीय स्थान पर रहे।



छोटेडोंगर सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से तीन नवविवाहित जोड़ों को मिले विवाह प्रमाण पत्र

नारायणपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व एवं कलेक्टर मती नम्रता जैन के मार्गदर्शन में नारायणपुर जिले के ग्रामीण एवं दूरस्थ अंचलों में निवासरत लोगों को शासकीय सेवाओं का लाभ सहजता से उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में ग्राम पंचायत छोटेडोंगर में तीन नवविवाहित जोड़ों को विवाह प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर ग्राम पंचायत छोटेडोंगर के उप सरपंच संतोष बैठरू, ग्राम पटेल दीपक बेलसरिया के द्वारा नवविवाहित जोड़ों को विवाह प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इनमें मती गुलसा मांझी एवं युधिष्ठिर मांझी, मती जयंती बेलसरिया एवं वासुदेव बेलसरिया तथा मती यशोधरा मांझी एवं जयसिंह मांझी शामिल हैं। सभी जोड़ों को विवाह प्रमाण पत्र प्रदान कर उनके सुखद एवं मंगलमय दाम्पत्य जीवन के लिए शुभकामनाएं दी गईं। उल्लेखनीय है कि सेवा सेतु केंद्रों के माध्यम से ग्रामीणों को उनके नजदीकी क्षेत्र में ही विभिन्न आवश्यक दस्तावेजों एवं शासकीय सेवाओं की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इससे ग्रामीणों को प्रमाण पत्र बनवाने के लिए दूरस्थ शासकीय कार्यालयों तक जाने की परेशानी से राहत मिल रही है।

जिला प्रशासन का प्रयास है कि दूरस्थ एवं अंदरूनी क्षेत्रों में निवासरत ग्रामीणों को भी आवश्यक दस्तावेज समय पर उपलब्ध हों तथा वे शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ सुगमता से प्राप्त कर सकें।

डिजिटल जनसेवा से ग्रामीणों को मिल रही सुविधा, आलोक अमन गेस्मा के आय प्रमाण-पत्र के लिए आवेदन



बीजापुर। जिला प्रशासन बीजापुर की डिजिटल जनसेवा पहल के अंतर्गत सेवा सेतु के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाएं सरल, सुगम एवं सुविधाजनक तरीके से उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस पहल से विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को प्रमाण-पत्र संबंधी सेवाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर मिल रहा है। इसी क्रम में भैरमगढ़ निवासी आलोक अमन गेस्मा के आय प्रमाण-पत्र हेतु सेवा सेतु केंद्र भैरमगढ़ के माध्यम से आवेदन की प्रक्रिया पूरी की गई। इस संबंध में आवेदक गजेंद्र नाग द्वारा प्रस्तुत आवेदन का संदर्भ क्रमांक 07060126180100 82 है। डिजिटल माध्यम से आवेदन की सुविधा उपलब्ध होने से नागरिकों को आवश्यक दस्तावेजों के लिए शासकीय कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने से राहत मिल रही है। जिला प्रशासन द्वारा सेवा सेतु के माध्यम से आय, निवास, जाति एवं विवाह पंजीयन सहित विभिन्न शासकीय सेवाओं को आम नागरिकों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। यह पहल शासकीय सेवाओं में पारदर्शिता, सुगमता एवं समयबद्धता को बढ़ावा देने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

मिठाई निर्माण इकाइयों में खाद्य सुरक्षा नियमों की अनदेखी पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई



बीजापुर। जिले में आम नागरिकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने तथा खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा मिठाई दुकानों एवं उनके निर्माण स्थलों का औचक निरीक्षण किया गया। खाद्य एवं औषधि प्रशासन, छत्तीसगढ़ तथा कलेक्टर विश्वदीप के निर्देशानुसार गठित संयुक्त जांच दल ने विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कार्रवाई की। निरीक्षण के दौरान मेसर्स कन्हैया स्वीट्स के मिठाई निर्माण स्थल पर साफ-सफाई का अभाव एवं अव्यवस्था पाई गई। निर्माण स्थल पर अनावश्यक सामग्री बेतरतीब ढंग से रखी हुई थी। खाद्य सुरक्षा मानकों के प्रति लापरवाही पाए जाने पर जांच दल ने तत्काल मिठाई निर्माण कार्य बंद कराया। साथ ही प्रतिष्ठान संचालक को दो दिवस के भीतर आवश्यक सुधार कर विभाग को सूचित करने के निर्देश दिए गए। निर्धारित समयावधि में सुधार नहीं किए जाने की स्थिति में प्रतिष्ठान का खाद्य पंजीयन निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। इसी क्रम में मेसर्स गणपति स्वीट्स की मिठाई निर्माण इकाई का निरीक्षण किया गया। जांच में पाया गया कि संबंधित इकाई घर में बिना वैध खाद्य लाइसेंस के संचालित की जा रही थी। इस पर जांच दल द्वारा बिना खाद्य लाइसेंस के खाद्य कारोबार संचालित करने के संबंध में प्रकरण तैयार किया गया।निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांच के लिए विभिन्न प्रतिष्ठानों से मिठाइयों के नमूने भी एकत्र किए गए।

नगर पंचायत भिंभौरी में राज्यस्तरीय डांस एवं सुवा नृत्य प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल

लोकसंस्कृति और प्रतिभाओं को मंच देना सराहनीय पहल : आशीष छाबड़ा





मूक पत्रिका/बेमेतरा। विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगर पंचायत भिंभौरी में धनतेरस एवं दीपावली महोत्सव के पावन अवसर पर अजूबा एकता जन कल्याण समिति एवं समस्त नगरवासियों के तत्वावधान में आयोजित राज्यस्तरीय भव्य डांस एवं सुवा नृत्य प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे प्रतिभागी कलाकारों ने अपनी शानदार एवं मनमोहक प्रस्तुतियों से उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। विशेष रूप से छत्तीसगढ़ की पारंपरिक लोककला सुवा नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में सांस्कृतिक रंग भर दिया। सुवा नृत्य के माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, परंपराओं और गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत की अनुपम झलक देखने को मिली। इस अवसर पर आशीष छाबड़ा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की लोककला और सांस्कृतिक परंपराएं हमारी पहचान एवं गौरव हैं। ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखने के साथ-साथ स्थानीय एवं ग्रामीण प्रतिभाओं को अपनी कला प्रदर्शित करने का बेहतर मंच प्रदान करते हैं। विशेष रूप से हमारी बहनों द्वारा सुवा नृत्य जैसी पारंपरिक लोककलाओं को संरक्षित एवं आगे बढ़ाने का प्रयास अत्यंत सराहनीय है। युवा पीढ़ी को भी अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के लिए इस प्रकार के आयोजन निरंतर होते रहने चाहिए।

उन्होंने इस भव्य एवं सफल आयोजन के लिए अजूबा एकता जन कल्याण समिति के समस्त पदाधिकारियों, सदस्यों, आयोजकों एवं नगर पंचायत भिंभौरी के समस्त नगरवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं तथा सभी प्रतिभागी कलाकारों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विवेक राजपूत एम डी धीवर संदीप परगनिहा चंद्र विजय धीवर नरेंद्र धीवर देव सिंह साहू महाराज दिन धीवर चेतन बंजारे निहाल परगनिहा प्रवीण ४शर्मा गोलू वर्मा श्याम वर्मा मोहित साहू नरेंद्र धीवर राजेंद्र वर्मा प्रकाश यादव दुर्गेश साहू अरुण वर्मा राजीव साहू रमेश पाटिल उत्तम देवांगन सहित आयोजन समिति एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे

दीपावली पर चांपा पुलिस ने बांटी खुशियां, जरूरतमंद बच्चों के साथ मनाया त्योहार

मेहंदीपारा पहुंचकर बांटी मिठाई और पटाखे, जन्मदिन की जानकारी मिलते ही बच्चे के लिए मंगवाया केक और नए कपड़े



मूक पत्रिका/चांपा। दीपावली के पावन पर्व पर खुशियां बांटने और जरूरतमंदों के जीवन में उजाला लाने की भावना के साथ चांपा पुलिस ने सराहनीय पहल की। एसडीओपी लोकेश बंसल एवं थाना प्रभारी कमलेश शेण्डे मेहंदीपारा पहुंचे और वहां रहने वाले जरूरतमंद परिवारों के बीच मिठाई तथा बच्चों को पटाखों का वितरण किया।

पुलिस अधिकारियों को अपने बीच पाकर मोहल्लेवासियों में उत्साह देखने को मिला। मिठाई और पटाखे पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस दौरान अधिकारियों को जानकारी मिली कि मोहल्ले के एक बच्चे का जन्मदिन भी है। इस पर बच्चे के लिए नए कपड़े और केक मंगवाया गया तथा सभी की मौजूदगी में उसका जन्मदिन मनाया गया। अचानक मिली इस खुशी से बच्चे के साथ ही पूरे मोहल्ले का माहौल खुशनुमा हो गया।

एसडीओपी लोकेश बंसल ने कहा कि जरूरतमंदों के बीच पहुंचकर खुशियां बांटने से आत्मिक संतुष्टि मिलती है और बच्चों के चेहरे की मुस्कान त्योहार की खुशी को और बढ़ा देती है।

थाना प्रभारी कमलेश शेण्डे ने कहा कि पुलिस की भूमिका केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग के सुख-दुख में सहभागी बनना भी उनकी जिम्मेदारी है। दीपावली के अवसर पर चांपा पुलिस की इस पहल ने सामाजिक सरोकार और मानवीय संवेदना का संदेश दिया।

बेमेतरा में जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक ,पेयजल योजनाओं में तेजी लाने के निर्देश



बेमेतरा। जिला जल एवं स्वच्छता मिशन अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा कलेक्ट्रेट में विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जल जीवन मिशन के तहत चल रही योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के मुख्य बिंदु - समूह जलप्रदाय योजना और TPI देयकों के भुगतान पर चर्चा की गई। साथ ही 08 सितंबर के बाद मिले बजट आबंटन और भुगतानों का अनुमोदन,एकल ग्राम नलजल योजनाओं के मेंटेनेंस और नियमित संचालन पर जोर,नल जल मित्रों को गांव में लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि हर घर तक शुद्ध और नियमित पेयजल पहुंचाना प्राथमिकता है। किसी भी गांव में पानी की सप्लाई बाधित न हो, इसके लिए सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला चिकित्सा एवं मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शरद कोहाड़े, जिला शिक्षा अधिकारी अभय जायसवाल, जल संसाधन विभाग से हिमांशु सोनकर, विद्युत मंडल से गुलाब राम साहू, कृषि विभाग, वन विभाग, क्रेडा, महिला बाल विकास और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

माँ महामाया शक्कर कारखाना केरता में गन्ना खरीदी मूल्य वृद्धि पर आभार एवं कृषक चौपाल कार्यक्रम आयोजित



सूरजपुर। माँ महामाया शक्कर कारखाना केरता में गन्ना खरीदी मूल्य में वृद्धि के उपलक्ष्य में आभार एवं कृषक चौपाल कार्यक्रम का आयोजन कृषि मंत्री रामविचार नेताम के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में गन्ना उत्पादक किसानों ने खरीदी मूल्य में वृद्धि के निर्णय पर राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कृषि मंत्री नेताम ने किसानों को संबोधित करते हुए शासन की किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी दी तथा गन्ना उत्पादक किसानों को बोनस राशि का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने लगाए गए स्टॉलों का भी अवलोकन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि किसान धरतीपुत्र हैं, जिनके अथक परिश्रम और मेहनत से देश की खाद्यान्न संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति होती है। किसानों की खुशहाली और आर्थिक समृद्धि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने किसानों की प्रसन्नता पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों की समृद्धि ही प्रदेश की प्रगति का आधार है।

युवाओं ने कला, संस्कृति और नवाचार का किया प्रभावशाली प्रदर्शन

धमतरी, एजेंसी। युवाओं की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने, उनकी रचनात्मक क्षमता को मंच प्रदान करने तथा विकसित भारत के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खेल एवं युवा कल्याण विभाग, धमतरी द्वारा गुरुवार को विंध्यवासिनी मंदिर के पीछे स्थित सामुदायिक भवन में जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर निगम धमतरी के महापौर रामू रोहरा मुख्य अतिथि तथा छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू निषाद विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उत्सव में जिले के युवाओं ने कला, संस्कृति, विचारों और नवाचार से जुड़ी अपनी प्रतिभा का उत्साहपूर्वक प्रदर्शन किया।

जिला स्तरीय युवा उत्सव में बालगृह, धमतरी के बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। बच्चों संगीतमय छत्तीसगढ़ी गीत प्रस्तुत कर अपनी कला एवं रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए आकर्षक प्रस्तुतियां दीं।

विद्यार्थियों को बाल अधिकार, बाल विवाह रोकथाम, महिला सुरक्षा व हेल्पलाइन सेवाओं के प्रति किया गया सजग



बालोद। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी के आदेश एवं मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिला बाल संरक्षण अधिकारी गजानंद साहू के नेतृत्व में जिले के विभिन्न शासकीय विद्यालयों में 'मिशन वात्सल्य' एवं 'मिशन शक्ति' के अंतर्गत सघन जन-जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत डौण्डीलोहारा विकासखंड अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टटेंगा तथा शासकीय हाई स्कूल चैरैल एवं शासकीय हाई स्कूल डुंडेरा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कानूनी प्रावधानों और हेल्पलाइन सेवाओं की दी जानकारी

आयोजित कार्यक्रमों में छात्र-छात्राओं को बाल अधिकार, बाल विवाह की रोकथाम, बाल श्रम उन्मूलन तथा बच्चों के साथ होने वाले किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार से बचाव से जुड़े कानूनी व सामाजिक पहलुओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इसके साथ ही महिलाओं व बालिकाओं के सम्मान, सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण पर प्रकाश डालते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया गया। मिशन वात्सल्य के अंतर्गत संचालित सेवाओं की जानकारी देते हुए आपातकालीन 'चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098' तथा मिशन शक्ति के अंतर्गत 'महिला हेल्पलाइन नंबर 181' के कार्यप्रणाली और उपयोगिता के बारे में बताया गया।

शिविरों में उपस्थित रहा विभागीय अमला व शिक्षण स्टाफ

शासकीय हाई स्कूल डुंडेरा एवं चैरैल में आयोजित शिविर में संरक्षण अधिकारी संस्थागत देवेंद्र देशमुख, काउंसलर मती अशलेखा देवांगन, सामाजिक कार्यकर्ता अनिल सिन्हा, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 से परियोजना समन्वयक वेदप्रकाश साहू, केस वर्कर कैलाश निषाद, अखिलेश डहरे, सपोर्ट पर्सन सु लोवेश धिवर, विद्यालय के प्राचार्य डुंडेरा एस. के. साहू एवं चैरेल के प्राचार्य राजेंद्र प्रसाद देशमुख सहित समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। वहीं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टटेंगा में सामाजिक कार्यकर्ता अनिल सिन्हा, चाइल्ड हेल्पलाइन केस वर्कर प्रीतम कुमार, प्राचार्य मती चन्द्रमणी वासनिक, पॉक्सो प्रभारी सु हेपशीबा एंथोनी, अजय पाठक, चन्द्रादेव नाथ, मती हर्षा देवांगन, मती नीलिमा रजक, समस्त शाला स्टाफएवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

किसानों की सुविधा और पारदर्शी धान खरीदी के लिए प्रशासन ने कसी कमर

15 नवंबर से शुरू होगी समर्थन मूल्य पर धान खरीदी



बालोद। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियों को लेकर कलेक्टर मती दिव्या उमेश मिश्रा के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार संयुक्त जिला कार्यालय के सभागार में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर कलेक्टर सुरेंद्र प्रसाद वैद्य ने की। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को धान खरीदी की सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने तथा किसानों की सुविधा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए। अपर कलेक्टर वैद्य ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप धान खरीदी का कार्य पूरी पारदर्शिता, सुगमता और व्यवस्थित ढंग से किया जाना चाहिए। किसानों को अपनी उपज बेचने के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी अधिकारी अपने दायित्वों का गंभीरता और जिम्मेदारी से निर्वहन करें।

धान खरीदी व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए किसानों के रकबे के अनुसार टोकन वितरण की व्यवस्था निर्धारित की गई है। इसके तहत 2 एकड़ से कम भूमि वाले किसानों को एक टोकन, 2 एकड़ से अधिक तथा 10 एकड़ तक भूमि वाले किसानों को अधिकतम दो टोकन और 10 एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों को अधिकतम तीन टोकन दिए जाएंगे। इससे खरीदी केंद्रों में भीड़ को नियंत्रित करने और धान खरीदी को व्यवस्थित बनाने में मदद मिलेगी। बैठक में कस्टम मिलिंग एवं परिवहन व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को बताया गया कि खरीफविपणन वर्ष 2025-26 में नागरिक आपूर्ति निगम के पास निर्धारित 50 प्रतिशत तक चावल जमा करने वाले राइस मिलर्स के साथ ही खरीफविपणन वर्ष 2026-27 के लिए कस्टम मिलिंग का अनुबंध किया जाएगा। साथ ही, वर्ष 2026-27 की धान खरीदी अवधि पूरी होने के बाद ही मिलर्स को कस्टम मिलिंग के लिए धान का प्रदाय किया जाएगा।धान खरीदी प्रारंभ होने के बाद प्रत्येक उपार्जन केंद्र में पीसीएसएपी के माध्यम से धान की ग्रेडिंग करना अनिवार्य होगा।

15 नवंबर से 15 जनवरी तक होगी धान खरीदी

बैठक में बताया गया कि खरीफविपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक की जाएगी। इसके लिए जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों में आवश्यक तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूरी करने के निर्देश दिए गए।

किसानों के रकबे के अनुसार मिलेगी टोकन सुविधा

धान खरीदी व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए किसानों के रकबे के अनुसार टोकन वितरण की व्यवस्था निर्धारित की गई है। इसके तहत 2 एकड़ से कम भूमि वाले किसानों को एक टोकन, 2 एकड़ से अधिक तथा 10 एकड़ तक भूमि वाले किसानों को अधिकतम दो टोकन और 10 एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों को अधिकतम तीन टोकन दिए जाएंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।